RPR_Bhoomi_18_2024-01_Layout 1 5/18/2024 1:07 AM Page 1

तापमान

अधिकतम 35.0 डिग्री

न्यूनतम 29.3 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, शनिवार 18 मई 2024

13 बारिश से पहले बढ़ी रेत की चोरी रात्रि गश्त में 17 गाड़ियां...

14 10 एकड़ भूमि पर अवैध प्लाटिंग कर मकानों का...

परिवर्तन का रिकॉर्ड बना रहा रविवि! फिर बदली समय-सारिणी, अब एंट्रेस टेस्ट बना कारण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं. रविशंकर शुक्ल विवि इन दिनों परिवर्तन के नए रिकॉर्ड बना रहा है। एक बार फिर रविवि ने अपनी समय-सारिणी बदल दी है। इस बार इसका कारण केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा अर्थात सीयूईटी बना है। रविवि ने नई समय-सारिणी अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। इसके अलावा संबंधित महाविद्यालयों को भी इसे प्रेषित कर दिया गया है। बार-बार टाइम-टेबल में परिवर्तन होने के कारण छात्र भी परेशान हैं। महाविद्यालय प्रबंधन भी थोक में हो रहे बदलाव से हलाकान हो चुके हैं।

- बीपीएड, एमकॉम सहित दर्जनभर विषयों की समय-सारिणी में बदलाव

अलग खबर

बदलाव की जानकारी नहीं मिल पाने के कारण कई छात्रों की परीक्षाएं छूट चुकी हैं। इसे लेकर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने रविवि में आवेदन भी दिए थे। गौरतलब है कि इस वर्ष रविवि ने वार्षिक परीक्षाओं की समय-सारिणी में तारीख के साथ समय में भी बदलाव किया था। परीक्षा के समय में बदलाव मात्र एक बार बार किया गया था, लेकिन तिथियों में बदलाव कई बार किया गया। व्यापम की परीक्षा तिथि, लोकसभा चुनाव सहित बैठक व्यवस्था संबंधित कारण इसके पीछे बनाए गए थे।

इसके पूर्व लोकसभा चुनाव, बैठक व्यवस्था तथा व्यापम की परीक्षाओं के कारण हो चुका है परिवर्तन

जुलाई के दूसरे पखवाड़े तक चलेंगी परीक्षाएं

रविवि द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि बीपीएड चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा तिथि में बदलाव किए गए हैं। ये बदलाव सीयूटीई की परीक्षा तिथियों के कारण किए गए हैं। इसके पश्चात एक अन्य अधिसूचना जारी कर रविवि ने एमकॉम, एमए, एमएससी, बीएड, एमएड, बीफॉर्मा-एमफॉर्मा सहित लगभग सभी सेमेस्टर परीक्षाओं की तारीखों में बदलाव किए गए हैं। सभी परीक्षाओं की तारीखें आगे बढ़ाई गई हैं। अब सेमेस्टर परीक्षाएं जुलाई के दूसरे पखवाड़े तक चलेंगी। सूत्रों के अनुसार, यूजीसी नेट की तारीखों संग टकराव के कारण तारीखों में ये बदलाव किए गए हैं।

बीएएलएलबी पुनर्गणना के परिणाम घोषित

रविवि द्वारा शुक्रवार को बीएएलएलबी के पुनर्गणना के परिणामों की घोषणा कर दी गई है। अंकों की दोबारा गणना किए जाने के बाद मात्र एक छात्र के अंक में वृद्धि हुई है, लेकिन नतीजे अपरिवर्तित रहे। अन्य किसी भी छात्र के अंकों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। रविवि ने छात्रों के नतीजे अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं।

खबर संक्षेप

सूने मकान से लाखों की चोरी, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र के सूने मकान से ढाई लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर

उसके कब्जे से चोरी का माल जब्त किया है। दोमेंद्र कुमार सिन्हा की शिकायत पर विजय यादव को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। दोमेंद्र ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि पांच दिन पूर्व वह ड्यूटी पर चला गया था, इसी दौरान विजय ने उसके मकान का ताला तोड़कर कमरे के अंदर प्रवेश किया और आलमारी में रखी नकदी तथा जेवरों पर हाथ साफ कर दिया।

नए कानूनों के संबंध में सेमीनार-कार्यशाला

रायपुर। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, 1 जुलाई 2024 को लागू होने जा रही है। इसे लेकर रेंज आईजी अमरेश मिश्रा, एसएसपी संतोष सिंह तथा पं. रविशंकर विश्वविद्यालय विधि विभाग के सहायक प्रध्यापक तथा विधि विशेषज्ञ प्रिया राव की उपस्थिति में 80 विवेचकों की मौजूदगी में शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विवेचकों को नए कानून के तकनीकी पहलुओं के साथ फोरेंसिक महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही नए कानून में क्या नए प्रावधान किए गए हैं, इस संबंध में विवेचकों को बताया गया।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में धावा लाखों का सामान पार

रायपुर। अभनपुर थाने में एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान के संचालक ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपने दुकान में बेचने के लिए रखे लाखों रुपए के मोबाइल सहित स्मार्ट वॉच, नैक बैण्ड, ईयर बड्स सहित अन्य सामान चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। नितेश सालावत की बस स्टैंड के पास दुकान है। अज्ञात चोर गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात दुकान का शटर का कुंदा तोड़कर अंदर रखे सभी इलेक्ट्रॉनिक सामान पर हाथ साफ कर गए।

शांति नगर में सिंचाई कालोनी ढहाने के बाद जिम्मेदारों को नहीं मिला फंड इसलिए...

सिंचाई कालोनी की 16 एकड़ जमीन पर हाउसिंग का प्लान अब तक डंप, फिर बढ़ जाएगी लागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सिंचाई विभाग की सौ साल पुरानी कॉलोनी को पांच साल पहले ढहाने के बाद जिम्मेदार सुध नहीं ले रहे हैं। इसके कारण शांति नगर में तीन सौ लोगों के लिए दोबारा कॉलोनी का निर्माण नहीं हो पाया। दूसरे फेज में बनने वाले डुप्लेक्स और फ्लैट्स की स्कीम लांच होने के बाद भी हाउसिंग बोर्ड सिर्फ जमीन हस्तांतरण ही ले पाया है। होने वाले निर्माण का मसौदा सरकार ने पास कर दिया, लेकिन फंड नहीं मिलने से प्रोजेक्ट फाइलों में सिमटकर रह गया है।

हरिभूमि सरोकार

राजधानी के गौरव पथ से सटी ईएसी कॉलोनी को ढहाने के बाद वहां दोबारा निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सरकार ने निर्णय लेने के बाद जमीन का ⏭शेष पेज 13 पर

अभी प्लानिंग का नहीं मिला फायदा

हाउसिंग बोर्ड खाली जमीन पर नए मकान और अपार्टमेंट बनाने वाला है। जिम्मेदारों का दावा है कि प्लाट में सिंचाई विभाग को एडजस्ट करने के बाद बची हुई जमीन पर मकान बनाकर बेचा जाएगा। इससे सरकार को पहले 137.35 करोड़ रुपए से ज्यादा का फायदा होने वाला है। इसमें विलंब होने से इजाफा होना तय है। अभी निर्माण शुरू करने में किए जा रहे विलंब के कारण सौ साल पुरानी कॉलोनी की जमीन वीरान पड़ी है। इससे कॉलोनी व फ्लैट्स की सुविधा लोगों को नहीं मिल पाई है।

जमीन हस्तांतरण, प्रोजेक्ट भी पास

सिंचाई विभाग की 16 एकड़ खाली जमीन का हस्तांतरण हुआ है। साथ ही बनाए गए प्रोजेक्ट को भी शासन ने पास किया है। अब फंड मिलने पर एजेंसी तय की जाएगी। पुराने प्रोजेक्ट के लिए तय लागत भी बढ़ेगी।

- **संदीप साहू,** अधीक्षण अभियंता, हाउसिंग बोर्ड, रायपुर

अलग-अलग टाइप के 283 मकान

सिंचाई कॉलोनी को नए सिरे से बनाने के लिए शासन ने हाउसिंग बोर्ड को नोडल एजेंसी तय की है। बोर्ड ने सिंचाई कॉलोनी का सर्वे किया, तब कॉलोनी को 24.36 एकड़ में पाया गया। इसमें ई-टाइप के 6, एफ टाइप के 11, जी टाइप के 78, एच टाइप के 124 और आई टाइप के 64 समेत 283 मकान थे। कॉलोनी में 4.60 एकड़ में पीजी उमाठे हाईस्कूल व बिजली नियामक आयोग (क्रेडा) का दफ्तर है, दोनों को नहीं तोड़ा गया। अभी मौके पर 16 एकड़ जमीन का हस्तांतरण किया गया है।

सुधरा पीजी हास्टल का बिगड़ा वाटर कूलर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खबर का असर

- दो दिन में मरम्मत दल ने किया सुधार, अब मिलेगा ठंडा पानी

हास्टल के बिगड़े वाटर कूलर में सुधार होने के बाद अब पीजी छात्रों को खरीदकर पानी पीने की मजबूरी नहीं होगी। हरिभूमि की खबर पर संज्ञान लेते हुए जेएन मेडिकल कालेज प्रबंधन ने वाटर कूलर सुधरवा दिया है। दो दिन की मरम्मत के बाद छात्रों को अब ठंडा पानी मिलने लगा है।

पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कालेज के पीजी ब्वायज हास्टल में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लगाए गए वाटर कूलर के खराब होने की वजह से वहां रहने वाले छात्रों को पानी का जार खरीदने के लिए पैसे खर्च करने पड़ रहे थे। हरिभूमि ने इस खबर को प्रकाशित किया था, जिस पर कालेज प्रबंधन ने सुध ली। गुरुवार और शुक्रवार को मरम्मत के बाद ⏭शेष पेज 13 पर

दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने पहुंची सगी बहनों को दुर्लभ बीमारी, होगा इलाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने के लिए जिला अस्पताल पहुंची सगी बहनों की जांच के दौरान अनुवांशिक दुर्लभ बीमारी का पता चला। बच्ची का सर्टिफिकेट बनाने के साथ ही उनके बहरेपन का आवश्यक इलाज भी किया जाएगा। वॉर्डन बर्ग सिंड्रोम नामक बीमारी से पीड़ित होने की वजह से उन्हें सुनाई नहीं देने के साथ सफेद चमड़ी और नीली आंखें होने की समस्या थी।

जानकारी के अनुसार 12 एवं 14 साल की दोनों सगी बहनें कुछ दिन पहले अपनी दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने जिला अस्पताल पंडरी आई थीं। वहां के ईएनटी विभाग की चिकित्सक डॉ. नसरीन बेगम ने दोनों की जांच की। इस दौरान उनका ध्यान एक बच्ची की नीली आंखें और दूसरी के शरीर पर सफेद दाग पर गया। लक्षण और परिजनों से जानकारी के आधार पर उन्हें किसी तरह की बड़ी बीमारी का संदेह हुआ। जांच में इस बात की पुष्टि हुई कि दोनों वॉर्डन बर्ग सिंड्रोम नामक बीमारी से पीड़ित हैं। डॉ. नसरीन ने बताया कि यह बीमारी दुर्लभ होती है और 42 हजार ⏭शेष पेज 13 पर

नीली आंखें और सफेद दाग देखकर चिकित्सकों ने कराई जांच

खाना नहीं निगल पा रहे थे निकला कैंसर

इसी तरह दो साल से ठीक से खाना नहीं निगल पाने की समस्या लेकर इलाज के लिए जिला अस्पातल पहुंचे मरीज की जांच की गई तो वह कैंसर का मरीज निकला। सीटी स्कैन के माध्यम से उसकी बीमारी का पता चल पाया। 52 साल के मरीज को इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल रेफर किया गया है। रेडियोडायग्नोसिस विभाग के विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष गुप्ता ने बताया कि सही समय पर डायग्नोसिस से इलाज में काफी मदद मिल सकती है।

सही समय पर पहचान जरूरी

किसी भी बीमारी का सही समय पर पहचान किए जाने से उसका बेहतर इलाज किया जा सकता है। मौजूद संसाधनों और चिकित्सकों की मदद से यह संभव हो पा रहा है।

- डॉ. एसके भंडारी, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल

बच्ची की बची जान

शरीर पर बड़े-बड़े दाने, जीभ और आंखों का लाल होने और चमड़ी फटने की शिकायत पर गंभीर अवस्था में इलाज के लिए पहुंची आठ साल की बच्ची का महंगी दवा की मदद से उपचार कर जान बचा ली गई है। शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. निलय मोझरकर के अनुसार बच्ची को कावासाकी डिजीज था। भर्ती कर उसे उपचार की सुविधा दी गई और पखवाड़े भर तक निगरानी में रखने के बाद उसे स्वस्थ घोषित किया गया। इस बीमारी की वजह से भविष्य में हृदय संबंधी समस्या भी हो सकती थी।

फरवरी जैसा तापमान, राजधानी में मई का सबसे कम पारा 35 डिग्री हुआ रिकार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नमी और द्रोणिका के असर से सात डिग्री लुढ़का तापमान

गर्मी का पीक माना जाने वाले मई का आधा महीना इस बार सामान्य गर्मी के साथ बीत गया। दूसरे पखवाड़े में सबसे कम 35 डिग्री तापमान शुक्रवार को रिकार्ड किया गया, जो अक्सर फरवरी में दर्ज किया जाता है। आज रायपुर का तापमान सामान्य से सात डिग्री और अन्य शहरों का तीन से चार डिग्री कम था।

मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक इस बार गर्मी अपना असर नहीं दिखा पा रही है। विशेषज्ञों की मानें, तो बाकी दिनों में नमी और मानसूनी हलचल बढ़ने की वजह से तेज गर्मी की वापसी की संभावना नहीं है। राज्य में अभी बंगाल की खाड़ी से काफी मात्रा में नमी का प्रवेश हो रहा है। ⏭शेष पेज 13 पर

प्रमुख शहरों का तापमान

रायपुर	35.0	-7
बिलासपुर	36.0	-7
पेंड्रा	36.2	-4
अंबिकापुर	37.6	-2
जगदलपुर	33.8	-4
राजनांदगांव	36.0	-3

हरिभूमि & inh

Presents

MORNING MOVIE MANIA 2024

KLE Colors CINEMAS

19 मई रविवार- कलर्स सिनेमा

कलर्स मॉल पर सुबह 8.00 बजे

Supported by

SHREE NARAYANA HOSPITAL Quality Health Care for All..

KALINGA UNIVERSITY

Narayana Health | MMI

SINGHANIA BUILDCON GROUP Building lifestyle since 1993

MAGIC PAINTS

SINGHANIA SAROVAR PORTICO raipur A SAROVAR HOTEL

BLUE LINES PIPES & TUBES सबसे ज्यादा भरोसा...

Harshit Singhania Buildcon

JTO #ekatootrishteykasafar एक अटूट रिश्ते का सफर...

mahindra रालास मोटर्स टाटीबंध, जी.ई. रोड, रायपुर

राम श्याम ग्लास Fast & Fair ALL TYPE OF AUTOMOBILE GLASS

SHRI SWASTIK GROUP

BULL CONSTRUCTION EQUIPMENT A.N. AUTOMOBILE

GHAR FURNITURE Pandri Raipur 9669919191

TATA MOTORS भसीन मोटर्स मेनगेटो मॉल के पास, रायपुर मो. 9229330903

मोर HOSPITAL A SUPER SPECIALITY ICU & SURGICAL CARE at Raipur

NEWS PLUS 21 आपके हक की बात

NEW MIRA Bakery Pure Veg, Pure Emotions Since - 1985

सीमित सीटें पहले आयें, पहले पायें - फ्री टिकिट

इस कूपन में अपनी जानकारियां भरकर हरिभूमि कार्यालय पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, रायपुर में शनिवार सुबह 08.00 बजे से 10.00 बजे तक लायें तथा अपना फ्री टिकट पायें।

नाम : .....

मोबाईल : ..... दिनांक : 19.05.2024 फिल्म : किंग्डम प्लैनेट ऑफ द ऐप्स

पता : .....

आवश्यक सूचना

हरिभूमि

पाठक पुरस्कार योजना

के सम्माननीय विजेताओं से आग्रह है कि अपना उपहार हरिभूमि कार्यालय रायपुर में संपर्क कर प्राप्त कर लेवें।

उपहार प्राप्त करने अपने आधार कार्ड की फोटोकापी, मासिक बिल और पावती (ग्राहक प्रति), साथ में लावें।

उपहार प्राप्त करनें का समय

सोमवार से शनिवार, सुबह 11 से शाम 5 बजे तक

स्थान : हरिभूमि कार्यालय

धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

फोन नं. 0771-4242238

खबर संक्षेप

मनवा कुर्मी समाज की बैठक ताराशिव आज

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज तिल्दा राज का प्रकरण बैठक ग्राम ताराशिव में 18 मई को शाम 6:00 बजे स्वामी आत्मानंद विद्यापीठ परिसर ताराशिव में आयोजित किया गया है ।जिसमें सामाजिक प्रकरणों की सुनवाई एवं अन्य विषयो पर चर्चा किया जाना है। राज प्रधान श्री ठाकुर राम वर्मा ने सभी स्वजातियों से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं एवं समाज की मजबूती को बनाए रखें। इसके लिए ग्राम ताराशिव स्वजातीय अपने स्तर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।उक्तासय की जानकारी जितेंद्र वर्मा ने दिया।

रायपुर-जगदलपुर के लिए यात्री कम, उड़ान स्थगित

रायपुर। रायपुर-जगदलपुर के बीच संचालित होने वाली उड़ानों को पर्याप्त संख्या में यात्री नहीं मिल रहे हैं। इसकी वजह से यहां संचालित अलायंस एयर ने अपनी फ्लाइट को 31 मई तक स्थगित कर दिया है। इस प्लाइट की उड़ान सप्ताह में चार दिन होती थी। इस सेक्टर में इंडिगो भी सप्ताह में चार दिन अपनी फ्लाइट संचालित करती है। इसी तरह केवल रायपुर से दिल्ली के बीच उड़ान का संचालन करने वाली विस्तारा कंपनी अलग-अलग दिन के हिसाब से अपनी प्लाइट को सुबह और शाम के शेड्यूल में संचालित कर रही है। कंपनी की फ्लाइट मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को शाम के शेड्यूल तथा शेष दिनों में सुबह के शेड्यूल में आवाजाही कर रही है।

स्वच्छता दीदियों को भी मिले अवकाश, डिप्टी सीएम से मांग

रायपुर। स्वच्छता दीदियों को एक दिन का साप्ताहिक अवकाश प्रदान करने के संबंध में उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ संयुक्त अनियमित कर्मचारी महासंघ रवि गढ़पाले का कहना है कि छत्तीसगढ़ के संपूर्ण नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायतों में स्वच्छता दीदियों द्वारा डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन एवं स्वच्छता कार्य किया जाता है। विभाग द्वारा इनसे बिना छुट्टी के पूरे 365 दिन कार्य लिया जाता है। इनके लिए किसी भी प्रकार का छुट्टी का कोई प्रावधान नहीं रहता है।

शव रखने डीप फ्रीजर की डिमांड

रायपुर। जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित होने वाली मरच्यूरी में शव रखने डीप फ्रीजर की डिमांड की गई है। खुले में शव रखने से उसके खराब होने की आशंका रहती है और कई बार संवेदनशील मामलों में शवों को लंबे समय तक सुरक्षित रखना जरूरी होता है।

निधन

जनार्दन प्रसाद गुप्ता

आरंग। जनार्दन प्रसाद गुप्ता (85) आरंगवाले सेवा निवृत शिक्षक का गुरुवार को निधन हो गया। वे मधुकांत एवं सत्येंद्र गुप्ता के पिता, प्रथम एवं श्रेया गुप्ता के दादा थे। उनका अंतिम संस्कार महादेव घाट रायपुरा रायपुर में किया गया।

गायत्री शक्तिपीठ में वर्षों से बालिका व महिलाओं को दिया जा रहा सिलाई प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

बहू-बेटियों को स्वावलंबी बनाना की पहल जारी

बहु बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में गायत्री शक्तिपीठ आरंग में सराहनीय पहल देखने को मिल रहा है। जिसके तहत ग्रीष्म काल में बालिकाओं व महिलाओं को निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसमें प्रशिक्षिका कुंती साहू और रोहणी साहू प्रशिक्षार्थियों को नियमित रूप से प्रशिक्षण दे रही है। उन्होंने बताया कि सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रोजेक्ट कार्य के साथ–साथ प्रतिदिन अभ्यास भी कराया जाता है।

वहीं गायत्री शक्तिपीठ के वरिष्ठ सदस्य मुन्नालाल साहू ने बताया आचार्य श्रीराम शर्मा द्वारा चलाए गए सप्त आंदोलनों में स्वालंबन योजना के अंतर्गत निःशुल्क सिलाई एवं स्वालंबन प्रशिक्षण की शुरुआत 2001 में की गई है। जो लगातार प्रतिवर्ष चलाया जा रहा है। यह प्रशिक्षण का उद्देश्य बहु बेटियों को स्वावलंबी बनाना है। वहीं शक्तिपीठ के व्यवस्थापक पवन साहू का कहना है गायत्री परिवार का उद्देश्य भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ–साथ समाज में स्वालंबन पर कार्य कर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करना भी हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से बड़ी संख्या में बालिकाएं व महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर अन्य लोगों को भी सिलाई सिखा रही है। वहीं पीपला वेलफेयर फाउंडेशन ने गायत्री शक्तिपीठ आरंग की इस पहल की उन्मुक्त कंठ से सराहना करते हुए सभी प्रशिक्षार्थियों को शुभकामनाएं दिए हैं।

प्रवचन : भागवत कथा के सातवें दिन आचार्य ने भगवान दत्तात्रेय की कथा सुनाई

सत्संग से मनुष्य ही क्या पशु-पक्षियों का भी जीवन सुधरता है : युगल शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

श्री सार्वजनिक गौरा गुड़ी समिति केवशी लोधी पारा के द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन आचार्य युगल शर्मा में भगवान दत्तात्रेय विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान दत्तात्रेय ने अनुभव सिद्ध बात कही है की आनंद बाहर के विषयों में नहीं भीतर है। उन्होंने बताया है की दीक्षा गुरु एक होता है किंतु शिक्षा गुरु अनेक हो सकते हैं। भगवान दत्तात्रेय ने अपने 24 गुरुओं जैसे धरती, वायु, आकाश, जल, अग्नि, चंद्रमा, सूर्य, कबूतर, अजगर, समुद्र, पतंगा, भ्रमर, हाथी, मधुमक्खी आदि से भी शिक्षा ली है। उन्होंने सत्संग की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि वृत्रसुर, प्रहलाद, बलि राजा, विभीषण, सुग्रीव, कुब्जा, ब्रज की गोपियों आदि सत्संग के द्वारा ही भगवान को प्राप्त कर सके वे वेदों से भी अज्ञात थे और उन्होंने तप भी नहीं किया था फिर भी सत्संग प्रेरित भक्ति के कारण वो भगवान के प्रिय पात्र बने। उन्होंने रामायण की चौपाई के माध्यम से कहा कि बिनु सत्संग विवेक न होई सत्संग से मनुष्य ही क्या पशु पक्षी तक का जीवन सुधरता है और कामी के साथ रहकर ध्यान आदि नहीं हो सकता। इसलिए आचार्य युगल ने हरि नाम संकीर्तन को कलयुग से पार करने वाली नौका बताया आचार्य शर्मा ने कहा कि सतयुग में विष्णु के ध्यान से त्रेता युग में यज्ञ से द्वापर में विधिपूर्वक विष्णु पूजन से जो फल मिलता था वही फल कलयुग में भगवान के नाम कीर्तन से मिलता है। परीक्षित मोक्ष विषय पर प्रकाश डालते हुए महाराज जी ने कहा श्रीमद् भागवत महापुराण श्रवण के पांच फल निर्भरता, संशय रहित, हृदय में प्रभु का साक्षात प्रवेश और सभी में भगवान दर्शन तथा परम प्रेम यह पांचो फल परीक्षित ने प्राप्त किया और उनका मोक्ष हुआ। आचार्य शर्मा ने श्रीमद् भागवत के श्लोकों का सस्वर उच्चारण करते हुए कहा कि जो लोग सदा अपने घर में भागवत शास्त्र का पठन पूजन करते हैं मानो एक कल्प के लिए संपूर्ण देवताओं को तृप्त करते हैं। उन्होंने भगवान का कथन याद दिलाया कि जो इस कथा को सुनता है या जो इस कथा को कहता है अथवा मेरी कथा सुनकर प्रसन्न होता है उस मनुष्य का मैं कभी त्याग नहीं कर सकता।

आचार्य श्री ने श्रीमद् भागवत कथा का सार प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह ऐसी दिव्या रसभरी पावन कथा है जिससे आनंद की प्राप्ति होती है। गोपियों ने घर नहीं छोड़ा गोपियां घर का काम भी करती थी, उन्होंने स्वधर्म का त्याग भी नहीं किया, वह जंगल भी नहीं गई और तप भी नहीं किया फिर भी उन्होंने भगवान को पा लिया क्योंकि उनका प्रत्येक व्यवहार ही भक्तिमय था। उन्होंने कहा कि गोपियों जहां भी जाती अपने संग कन्हैया को अनुभव करती, महाराज श्री ने स्पष्ट कथन किया कि घर में रहकर भी श्री भगवान का दर्शन हो सकता है। उन्होंने श्रीमद् भागवत को भगवान से मिलने–मिलाने का साधन बताया और कहा की संसार के विषय सुखों से धीरे–धीरे विरक्ति और प्रभु के प्रति प्रेम का बढ़ना यही श्री भागवत कथा की लीला का उद्देश्य है।

कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं को सैलजा के खिलाफ सिरसा में प्रचार में झोंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के भाजपा नेता लगातार अब दूसरे राज्यों में प्रचार करने जा रहे हैं। ऐसे में भाजपा ने एक अलग तरह की रणनीति भी बनाने का काम किया है। कांग्रेस से भाजपा में आए 11 नेताओं को भाजपा संगठन ने कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी रहीं कुमारी सैलजा के खिलाफ प्रचार करने के लिए सिरसा भेजा है। भाजपा नेताओं का कहना है, हमारा काम कांग्रेस की पोल खोलना और भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर को जीत दिलाना है। कांग्रेस और उसकी प्रत्याशी ने छत्तीसगढ़ में किस तरह से झूठ बोलने का काम किया है, उसको सिरसा की जनता को बताने का काम करेंगे।

- 11 नेता पहुंचे सिरसा कहा- कांग्रेस और उसके प्रत्याशी की खोलेंगे पोल और खिलाएंगे कमल

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां पर लगातार कांग्रेस के नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित भाजपा नेता दावा करते हैं कि 20 हजार से ज्यादा कांग्रेस सहित दूसरी पार्टियों के नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। अब भाजपा ने कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए नेताओं को कांग्रेस के खिलाफ ही हथियार बनाकर इस्तेमाल करने की बड़ी रणनीति बनाई है।

बताएंगे कांग्रेस का झूठ

राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर प्रदेश भाजपा संगठन ने कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए 11 नेताओं शिशुपाल सोरी, प्रमोद शर्मा, चैलेश्वर चंद्राकर, चंद्रशेखर शुक्ला, अरुण सिंह, आलोक पांडेय, उषा पटेल, वाणी राव, अजय बंसल, अनिता रावटे, तुलसी साहू को शुक्रवार को रायपुर से सिरसा भेजा है। इन नेताओं में शामिल चंद्रशेखर शुक्ला ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए कहा, भाजपा संगठन ने हमें जो काम सौंपा है, हम सब उनको ईमानदारी से करेंगे। हम लोग यहां पर कांग्रेस और उसकी प्रत्याशी की पोल खोलेंगे और यहां की जनता को बताएंगे कि किस तरह से कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में झूठ बोलकर वहां की जनता को ठगने का काम किया है। कांग्रेस का काम ही यही है। कांग्रेस की प्रत्याशी की भी पोल खोलने का हम लोग काम करेंगे।

पता लगाएंगे कलेक्टर- गरीब बच्चे क्यों छोड़ रहे महंगे स्कूल? प्रबंधन के व्यवहार की भी होगी जांच

आरटीई के अंतर्गत निजी स्कूलों में दाखिला लेने वाले गरीब बच्चे छोड़ रहे हैं पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सभी जिला कलेक्टर को खत लिखकर उन बच्चों की पड़ताल करने कहा गया है, जो आरटीई के अंतर्गत महंगे निजी स्कूलों में दाखिला प्राप्त करने के बाद पढ़ाई छोड़ रहे हैं। जारी दिशा-निर्देश में कहा गया है कि उनके जिले में संचालित सभी प्राचार्य अथवा शाला प्रबंधक की बैठक 10 दिनों के भीतर बुलाई जाए।

इसमें यह समीक्षा की जाएगी कि निजी स्कूलों में प्रारंभिक कक्षाओं में कितने छात्रों ने प्रवेश लिया था तथा उनमें से कितने बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दी है। इसके अलावा आरटीई संबंधित अन्य बिंदुओं को गंभीरतापूर्वक लागू करने कहा गया है। गरीब छात्रों द्वारा महंगे निजी स्कूलों में पढ़ाई नियमित रूप से जारी नहीं रखे जाने के कारणों का भी पता लगाने कहा गया है। कलेक्टर से कहा गया है कि वे इस बात की जांच करें कि कहीं छात्रों द्वारा स्कूल छोड़ने का कारण निजी स्कूलों द्वारा लागू की जाने वाली महंगी फीस अथवा यूनिफॉर्म तो नहीं है? इसके अलावा निजी स्कूल प्रबंधन द्वारा छात्रों के साथ व्यवहार को भी जांचने कहा गया है। इस पहलू पर भी विचार करने कहा गया है कि छात्रों द्वारा स्कूल छोड़े जाने का कारण कहीं उनके साथ हो रहा असमानता का व्यवहार तो नहीं है।

होगी त्रैमासिक बैठक

समीक्षा के लिए त्रैमासिक बैठक ली जाएगी। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कहा गया है कि कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिसमें छात्र द्वारा स्कूल छोड़ दिया जाता है, लेकिन विद्यालय उनकी एंट्री स्कूलों में दिखाकर उनके नाम से फीस ले रहे हैं। ऐसे स्कूलों की भी जांच करने कहा गया है। यदि किसी छात्र द्वारा स्कूल छोड़ दिया जाता है तो प्रबंधन को उनकी एंट्री ड्रॉप आउट स्टूडेंट के रूप में करनी होगी। प्रतिवर्ष कम से कम दो बार आरटीई छात्रों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

20 मई से निकलेगी लॉटरी

आरटीई के अंतर्गत पहले चरण की आवेदन प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। पहले चरण की लॉटरी 20 मई से 30 मई तक निकाली जाएगी। इसमें जिन छात्रों के नाम होंगे, उन्हें 1 से 30 जून तक प्रवेश लेना होगा। इसके बाद दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। प्रदेश में 52 हजार 782 सीटों के लिए अब तक 74 हजार 132 आवेदन मिले हैं। स्कूलों के प्रोफाइल अपडेट सहित अन्य प्रक्रिया एक फरवरी से प्रारंभ हो गई थी।

पुलिस ने चलाया नशामुक्ति अभियान एवं कार्यशाला की

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

समाज को नशा मुक्त करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार रायपुर पुलिस अधीक्षक के मार्ग दर्शन में धरसींवा पुलिस ने 17 मई को धरसींवा बाजार में अपना नशा मुक्ति का कैम्प लगा कर लोगो के बीच मे जागरूकता अभियान चलाया और युवको की कार्यशाला भी लिए।

धरसींवा थाना प्रभारी शिवेंद्र राजपूत ने बताया कि पुलिस की तरफ से नशा मुक्त पखवाड़ा (15 दिनों तक) अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत पहले चरण में धरसींवा थाना से प्रारंभ किया गया, शुक्रवार को धरसींवा पुलिस ने धरसीवां की साप्ताहिक बाजार में आमजनों को आमंत्रित कर नशा के खिलाफ हो रहें दुष्प्रभाव को बताया और कहा कि नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने प्रेरित किया। साथ ही समाज मे नशा जैसे कार्यों को बंद करने का आवाहन किया।

नशे का आदी होना आसान

धरसींवा पुलिस ने लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। नशा शरीर और मस्तिष्क पर बहुत ही गलत प्रभाव डालता है। नशे का आदी होना आसान है, लेकिन इस लत से छुटकारा पाना बेहद मुश्किल है। नशे की लत के कारण होने वाले स्वास्थ्य के नुकसान की भरपाई करना बेहद कठिन है। नशे से जीवन तबाह होता है नशे के कारण व्यक्ति का सामाजिक व पारिवारिक जीवन तबाह हो जाता है। समाज में कई लोग ऐसे होते हैं जो नशे की लत पाल कर पूरी तरह नशे के आदी ह जाते हैं, उनके लिए वापस लौटना और जिंदगी की नयी शुरुआत करना मुश्किक होता है।

नशे की वजह से आपराधिक वारदातों में हजाफा

इस अभिशाप को जड़ से खत्म करने के लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। नशा व्यक्ति के शरीर के लिए तो हानिकारक है ही, साथ में यह अपराध करने का मुख्य कारण भी बनता है। जो व्यक्ति नशा करने लग जाता है तो वह नशा पूर्ति के लिए पैसे न होने पर आपराधिक वारदातों को अंजाम देने लग जाता है। नशा वो बीमारी है, जो न केवल एक परिवार बल्कि समाज और देश के भविष्य को खतरे में डालने का काम करता है।

पंजीयन दस्तावेज में संपत्ति का मूल्य हो सही, राजस्व हानि रोकने दिए निर्देश

रायपुर। जमीन, मकान, आवासीय या व्यावसायिक संपत्ति के पंजीयन के दौरान संपत्ति का मूल्य कम दिखाने से होने वाली राजस्व की हानि को लेकर सरकार सतर्क हुई है। इस मामले को लेकर वाणिज्यक कर (पंजीयन) विभाग ने प्रदेश के सभी जिला पंजीयकों को निर्देश देकर कहा है कि राजस्व की हानि नहीं होनी चाहिए। अचल संपत्ति के कम मूल्यांकन के फलस्वरूप होने वाले राजस्व हानि रोकने सभी जिला पंजीयकों को निर्देश दिए गए हैं। एसीएस मनोज पिंगुवा ने अपने पत्र में कहा है कि भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 31. धारा 33 व धारा 47 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर लिखत बाजार मूल्य एवं प्रभार्य स्टांप शुल्क का निर्धारण किया जाता है। इन विधिक प्रावधानों के अंतर्गत बाजार मूल्य या प्रभार्य स्टांप शुल्क के अवधारण के अधिकार इसलिए दिए गए है, ताकि लिखित पर संपत्ति के सही मूल्य नहीं लिखे जाने के फलस्वरूप शासन को हो रही राजस्व हानि का निवारण किया जा सके। भारतीय स्टाम्प अधिनियम एक महत्वपूर्ण कर विधि है तथा स्टाम्प पर अधिनियम के तहत कर निर्धारण अधिकारी के रूप में कलेक्ट कर प्रशासन कराधान विधि में योगदान होता है इस हानि को रोकने नए निर्देश दिए हैं।

प्रयास आवासीय विद्यालय के बच्चे 10वीं 12वीं में टॉप पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जिलों में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं की कड़ी मेहनत और अनुशासन से शानदार सफलता मिली है। माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा हाल ही घोषित 10वीं और 12वीं बोर्ड के परीक्षा परिणामों में प्रयास आवासीय विद्यालय के बच्चों को एक बार फिर शानदार सफलता मिली है। प्रयास विद्यालय में 10वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम 99.3 प्रतिशत एवं 12वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम 97.22 प्रतिशत रहा है। इनमें 10वीं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत 96.45 एवं 12वीं में 82.02 प्रतिशत रहा है। इस वर्ष का परीक्षा परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में काफी अच्छा है।

प्रमुख सचिव वोरा, सचिव दुग्गा ने दी बधाई

बताया गया है कि गत वर्ष 10वीं में 90.70 प्रतिशत और 12वीं में 79.38 फीसदी रहा था। प्रदेश के प्रयास विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को बेहतर प्रदर्शन के लिए आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा और सचिव नरेन्द्र दुग्गा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन

बताया गया है कि विगत वर्षों में प्रयास आवासीय विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अब तक प्रयास आवासीय विद्यालय के 116 विद्यार्थी आईआईटी व समकक्ष में, 328 विद्यार्थी एनआईटी व समकक्ष में, 940 विद्यार्थी इंजीनियरिंग कॉलेज में एवं 52 विद्यार्थी एमबीबीएस में चयनित हुए हैं। इसके अलावा सीए, सीएस, सीएमए में 29 तथा क्लैट में 04 विद्यार्थी को सफलता मिल चुकी है।

10वीं में 7 बच्चों ने बनाया मेरिट में स्थान

आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा इस वर्ष घोषित परीक्षा परिणामों में प्रयास के 07 विद्यार्थियों ने मेरिट में स्थान बनाया है। मेरिट में आने वाले छात्र-छात्रों में प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर के 04 विद्यार्थी- श्री मयंक कोर्राम, कुमारी पायल अधिकारी, कुमारी वर्षा साहू और कुमारी मल्लिका मरकाम शामिल हैं।

रेफरी के रूप में एक पूर्व जज को रखा जाएगा

तेलंगाना पर बकाया 15 से हो गया 17 सौ करोड़ वसूलने अब आर्बिट्रेटर नियुक्त करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

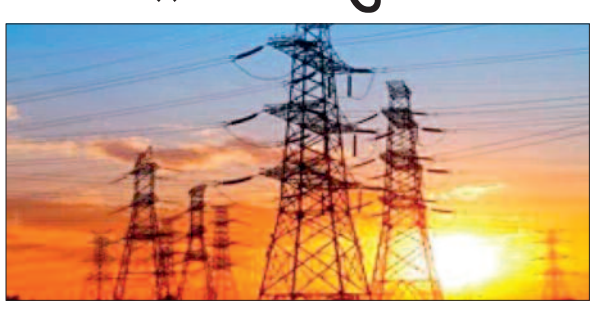

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के तेलंगाना पॉवर कंपनी पर बकाया 15 सौ करोड़ का मामला अब तक सुलझ नहीं सका है और यह बकाया 15 सौ करोड़ से बढ़कर सरचार्ज के कारण करीब 17 सौ करोड़ हो गया है। बकाया वसूली के लिए सारे प्रयासों के बाद अब बीच का रास्ता निकालते हुए नियमों के मुताबिक दोनों कंपनियों की तरफ से एक-एक आर्बिट्रेटर नियुक्त करने की तैयारी है। साथ ही एक बीच का आदमी, जो कि कोई पूर्व जज होगा, उनको रेफरी की तरह नियुक्त किया जाएगा। इसके बाद सारा लेखा-जोखा देखते हुए फैसला होगा। ऐसा कहा जा रहा है, यह फैसला दोनों कंपनियों को मान्य होगा। तेलंगाना पर कई सालों से 36 सौ करोड़ का बकाया है। पहले तेलंगाना ने इस बकाया में से 15 सौ करोड़ का ही बकाया माना, लेकिन बाद में तेलंगाना ने छह सौ करोड़ का और बकाया मान लिया। ऐसे में 21 सौ करोड़ का बकाया तो मान लिया गया, लेकिन 15 सौ करोड़ के बकाया पर पेंच फंसा रहा। बीते साल एक बार फिर से तेलंगाना बिजली कंपनी ने छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठकर आमने-सामने बात की तो 15 सौ करोड़ के और बकाया में से 13 सौ करोड़ का बकाया माना गया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य कंपनी तो तैयार हो गई, लेकिन तेलंगाना ने इसके बाद भी कोई जवाब नहीं दिया। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक लंबा समय होने के कारण सरचार्ज के कारण बकाया अब 15 से बढ़कर करीब 17 सौ करोड़ हो गया है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल- रायपुर 19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

दिनांक 17.05.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयश्री पार्वती पति मूरलीधर निवासी टाटीबंध, रायपुर की ग्राम बहेसर प.ह.नं. 26 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 91, 92, 93, 94/1, 94/2, 95/1, 95/2, 95/3, 95/4 रकबा 0.2790, 0.2430, 0.6070, 0.8090, 0.8090, 0.5830, 0.2910, 0.2910, 0.2920 का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/अति. तह/2024 आदेश दिनांक ..... के परिपालन में दिनांक 28/05/2024 को समय 11.00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 26 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

मुहर

तहसीलदार (नजूल) तिल्दा-नेवरा

बिना अनुमति एक माह गैरहाजिर रहने वाले सरकारी कर्मियों की होगी डीई, हो सकते हैं नौकरी से बाहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब सरकार ने ऐसे अधिकारियों कर्मचारियों पर शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है जो बिना अनुमति अवकाश पर चले जाते हैं। अब ऐसे कर्मी अगर एक महीने या उससे अधिक की अवधि के लिए गैर हाजिर रहते हैं, तो उनके खिलाफ विभागीय जांच की जाएगी। अगर दोषी पाए गए तो उन्हें नौकरी से बाहर किया जा सकता है। इस संबंध में राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित शासकीय सेवकों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही किये जाने संबंधी निर्देश में कहा गया है कि मूलभूत नियम-18 एवं छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-7 के प्रावधानों के तहत अनाधिकृत अनुपस्थिति के संबंध में तत्काल कार्यवाही की जानी चाहिए। यह भी स्पष्ट किया गया है कि ऐसे शासकीय सेवक, जो अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहते हैं, को विभागीय जांच के दौरान निलंबन में रखना आवश्यक नहीं है, क्योंकि, ऐसा करने से वे निलंबन भत्ते आदि की मांग करते हैं।

सरकार के सामान्य प्रशासन ने जारी किया आदेश

विभागीय जांच छह माह में पूरी करने के निर्देश

एक माह से अधिक गायब रहे तो जाएगी नौकरी

सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि शासकीय सेवक एक माह या उससे अधिक अवधि के लिए अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहते हैं, उनकी ऐसी अनाधिकृत अनुपस्थिति की अवधि को नियम 27 पेंशन नियम, 1976, सहपठित मूलभूत नियम 17-एक के अधीन सभी उद्देश्यों के लिए सेवा-व्यवधान माना जाए। ऐसे सेवकों को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाए। साथ ही, ऐसे शासकीय सेवकों के विरूद्ध छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के प्रावधानों के तहत दीर्घशास्ति के लिए विभागीय जांच संस्थित की जाए। यह विभागीय जांच का निराकरण अधिकतम 6 माह की समयावधि में होनी चाहिए। आरोप सिद्ध होने पर सेवा से हटाने अथवा सेवा से पदच्युत करने की शास्ति दी जाए।

तो माना जाएगा सेवा में व्यवधान

सरकार के आदेश में कहा गया है कि एक माह से अधिक अवधि तक अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने वाले शासकीय सेवकों को उनके अवकाश काल के दौरान के पते एवं अंतिम ज्ञात पते दोनों पर ही इस आशय का सूचना-पत्र भेजा जाना चाहिए कि वह 15 दिवस में कारण बताएं कि क्यों न उनकी उक्त अनाधिकृत अनुपस्थिति को सेवा में व्यवधान मानते हुए, पेंशन, उपादान आदि समस्त उद्देश्यों के लिए उनकी सेवा पुस्तिका में इंद्राज किया जाए। सेवा में व्यवधान को समस्त प्रयोजन, जिनमें पेंशन संबंधी लाभ भी शामिल है, के लिए उनकी तब तक की, की गई शासकीय सेवा का हरण माना जाएगा। इसी आदेश में ये भी कहा गया है कि वित्त विभाग ने पूर्व में जारी आदेश में कहा है कि अगर कोई शासकीय सेवक तीन साल से अधिक अवधि से अनुपस्थित है तो उसे नौकरी से बाहर किया जाए। विभागाध्यक्षों से कहा गया है कि वे अपने अधीनस्थ कार्यालयों व कर्मियों को इस आदेश से अवगत कराएं। अगर निर्देश का पालन नहीं किया गया तो कार्यालय प्रमुख की जिम्मेदारी होगी। जो कर्मी 31 मई 2024 से पहले अपने कार्य से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित हैं, उनके संबंध में समीक्षा कर ली जाए।

खबर संक्षेप

रायपुर-जगदलपुर के लिए यात्री कम, उड़ान स्थगित

रायपुर। रायपुर-जगदलपुर के बीच संचालित होने वाली उड़ानों को पर्याप्त संख्या में यात्री नहीं मिल रहे हैं। इसकी वजह से यहां संचालित अलायंस एयर ने अपनी फ्लाइट को 31 मई तक स्थगित कर दिया है। इस प्लाइट की उड़ान सप्ताह में चार दिन होती थी। इस सेक्टर में इंडिगो भी सप्ताह में चार दिन अपनी फ्लाइट संचालित करती है। इसी तरह केवल रायपुर से दिल्ली के बीच उड़ान का संचालन करने वाली विस्तारा कंपनी अलग-अलग दिन के हिसाब से अपनी प्लाइट को सुबह और शाम के शेड्यूल में संचालित कर रही है। कंपनी की फ्लाइट मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को शाम के शेड्यूल तथा शेष दिनों में सुबह के शेड्यूल में आवाजाही कर रही है।

स्वच्छता दीदी को भी मिले अवकाश, डिप्टी सीएम से मांग

रायपुर। स्वच्छता दीदियों को एक दिन का साप्ताहिक अवकाश प्रदान करने के संबंध में उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ संयुक्त अनियमित कर्मचारी महासंघ रवि गढ़पाले का कहना है कि छत्तीसगढ़ के संपूर्ण नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायतों में स्वच्छता दीदियों द्वारा डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन एवं स्वच्छता कार्य किया जाता है। विभाग द्वारा इनसे बिना छुट्टी के पूरे 365 दिन कार्य लिया जाता है। इनके लिए किसी भी प्रकार का छुट्टी का कोई प्रावधान नहीं रहता है।

शव रखने डीप फ्रीजर की डिमांड

रायपुर। जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित होने वाली मरच्यूरी में शव रखने डीप फ्रीजर की डिमांड की गई है। खुले में शव रखने से उसके खराब होने की आशंका रहती है और कई बार संवेदनशील मामलों में शवों को लंबे समय तक सुरक्षित रखना जरूरी होता है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। पिछले दिनों कलेक्टर ने पोस्टमार्टम के संबंध में बैठक लेकर व्यवस्था बनाने और ऑनलाइन मॉनिटरिंग के निर्देश दिए थे। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अफसर इसे लेकर गंभीर हो गए हैं। रायपुर जिले में एम्स, आंबेडकर अस्पताल, जिला अस्पताल, धरसींवा, अभनपुर, खरोरा, आरंग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पोस्टमार्टम के लिए मरच्यूरी की सुविधा दी जाती है।

पोस्टल बैलेट मतों की गिनती के लिए कुल 10 टेबल लगेंगे हाल में

मतों की गणना 4 जून को, प्रत्येक विधानसभा हाल में लगेंगे 14 टेबल एवं 60 कर्मचारियों की ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के सेजबहार शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में 4 जून को होने वाली मतगणना के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मतगणना को अभी जरूर 18 दिन बचे हैं, लेकिन मतगणना स्थल के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। मतगणना के पहले कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। विधानसभा चुनाव की तरह लोकसभा चुनाव में भी सेजबहार में जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों में पड़े वोटों की गिनती होगी। इसके लिए प्रत्येक विधानसभा हाल में 14-14 टेबल लगाए जाएंगे, जिसमें मतों की गिनती के लिए लगभग 60 कर्मचारी तैनात रहेंगे। पोस्टल बैलेट मतों की गिनती इस बार एक हाल में होगी, जिसमें कुल 10 टेबल लगाए जाएंगे। इनकी गिनती के लिए भी लगभग 60 कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे ने बताया कि सेजबहार मतगणना स्थल में प्रत्येक विधानसभा हाल में मतों की गिनती के लिए 14 टेबल लगाए जाएंगे। प्रत्येक टेबल पर 3-3 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जिसमें सुपरवाइजर एवं दो सहायक कर्मचारी शामिल रहेंगे। इसके अलावा प्रत्येक विधानसभा हाल में रिटर्निंग ऑफिसर भी मौजूद रहेंगे। पोस्टल बैलेट की गिनती हाल में की जाएगी, जिसमें कुल 10 टेबल लगाए जाएंगे। एक टेबल में 4-4 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसमें सहायक रिटर्निंग अधिकारी, दो सहायक कर्मचारी एवं एक माइक्रो कर्मी मौजूद रहेगा।

ईवीएम मतों की गणना के लिए एक टेबल पर 3 एवं पोस्टल बैलेट के लिए 4 कर्मचारी रहेंगे तैनात

बलौदाबाजार-भाटापारा विधानसभा मतों की मतगणना बलौदाबाजार में

रायपुर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत बलौदाबाजार-भाटापारा विधानसभा के मतों की गणना कृषि उपमंडी बलौदाबाजार मतगणना स्थल में होगा। इसके लिए भी अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। विदित हो कि रायपुर लोकसभा सीट के लिए इस बार 38 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा है। इन सभी प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला पोस्टल बैलेट के बंद लिफाफों और ईवीएम मशीनों में बंद है जो मतगणना के दिन खुलेंगे। चुनाव में इस बार कुल 66.18 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

सुरक्षा का रहेगा पुख्ता इंतजाम, वेबकास्टिंग से भी निगरानी

मतगणना स्थल पर पुख्ता इंतजाम रहेंगे। तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना होगी। केंद्रीय सुरक्षा बल और जिला पुलिस बल सहित एक हजार से ज्यादा जवानों की निगरानी में मतगणना होगी। इसके अलावा वेबकास्टिंग के जरिए भी मतगणना स्थल की निगरानी की जाएगी।

रिजर्व सहित 600 अधिकारी कर्मचारी रहेंगे मौजूद

सेजबहार में होने वाले मतगणना में कुल 600 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। इनमें 480 अधिकारी-कर्मचारी पोस्टल बैलेट एवं ईवीएम मतों की गणना करेंगे, वहीं 120 कर्मचारियों को रिजर्व में रखा गया है। ये सभी कर्मचारी भी मतगणना स्थल पर मौजूद रहेंगे, ताकि मतगणना के दौरान किसी कर्मचारी की तबीयत बिगड़ने या अन्य परिस्थिति उत्पन्न होने पर उनकी ड्यूटी लगाई जा सके।

पोस्टल बैलेट मतों की गिनती से होगी शुरुआत

मतगणना की शुरुआत पोस्टल बैलेट के मतों की गिनती से होगी। सुबह 8 बजे पोस्टल बैलेट मतों की गिनती शुरू की जाएगी। गिनती के बाद रिटर्निंग ऑफिसर इसके परिणाम घोषित करेंगे। इसके खत्म होने के आधे घंटे के बाद ईवीएम मशीनों की गिनती शुरू की जाएगी।

तीन बार होगा रेंडमाईजेशन

मतगणना दल की नियुक्ति तीन बार रेंडमाईजेशन के बाद किया जाएगा। पहला रेंडमाईजेशन जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में होगा। दूसरा व तीसरा रेंडमाईजेशन ऑब्जर्वर की मौजूदगी में किया जाएगा।

कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं को सैलजा के खिलाफ सिरसा में प्रचार में झोंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के भाजपा नेता लगातार अब दूसरे राज्यों में प्रचार करने जा रहे हैं। ऐसे में भाजपा ने एक अलग तरह की रणनीति भी बनाने का काम किया है। कांग्रेस से भाजपा में आए 11 नेताओं को भाजपा संगठन ने कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी रहीं कुमारी सैलजा के खिलाफ प्रचार करने के लिए सिरसा भेजा है। भाजपा नेताओं का कहना है, हमारा काम कांग्रेस की पोल खोलना और भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर को जीत दिलाना है। कांग्रेस और उसकी प्रत्याशी ने छत्तीसगढ़ में किस तरह से झूठ बोलने का काम किया है, उसको सिरसा की जनता को बताने का काम करेंगे।

- 11 नेता पहुंचे सिरसा कहा- कांग्रेस और उसके प्रत्याशी की खोलेंगे पोल और खिलाएंगे कमल

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां पर लगातार कांग्रेस के नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित भाजपा नेता दावा करते हैं कि 20 हजार से ज्यादा कांग्रेस सहित दूसरी पार्टियों के नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। अब भाजपा ने कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए नेताओं को कांग्रेस के खिलाफ ही हथियार बनाकर इस्तेमाल करने की बड़ी रणनीति बनाई है।

बताएंगे कांग्रेस का झूठ

राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर प्रदेश भाजपा संगठन ने कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए 11 नेताओं शिशुपाल सोरी, प्रमोद शर्मा, चौलेश्वर चंद्राकर, चंद्रशेखर शुक्ला, अरुण सिंह, आलोक पांडेय, उषा पटेल, वाणी राव, अजय बंसल, अनिता रावटे, तुलसी साहू को शुक्रवार को रायपुर से सिरसा भेजा है। इन नेताओं में शामिल चंद्रशेखर शुक्ला ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए कहा, भाजपा संगठन ने हमें जो काम सौंपा है, हम सब उनको ईमानदारी से करेंगे। हम लोग यहां पर कांग्रेस और उसकी प्रत्याशी की पोल खोलेंगे और यहां की जनता को बताएंगे कि किस तरह से कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में झूठ बोलकर वहां की जनता को ठगने का काम किया है। कांग्रेस का काम ही यही है। कांग्रेस की प्रत्याशी की भी पोल खोलने का हम लोग काम करेंगे। हमारा काम भाजपा के प्रत्याशी को जीत दिलाने का है और वो काम हम करेंगे। हम लोग यहां पर प्रचार थमने तक रहेंगे और भाजपा के प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करेंगे।

पता लगाएंगे कलेक्टर- गरीब बच्चे क्यों छोड़ रहे महंगे स्कूल? प्रबंधन के व्यवहार की भी होगी जांच

आरटीई के अंतर्गत निजी स्कूलों में दाखिला लेने वाले गरीब बच्चे छोड़ रहे हैं पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सभी जिला कलेक्टर को खत लिखकर उन बच्चों की पड़ताल करने कहा गया है, जो आरटीई के अंतर्गत महंगे निजी स्कूलों में दाखिला प्राप्त करने के बाद पढ़ाई छोड़ रहे हैं। जारी दिशा-निर्देश में कहा गया है कि उनके जिले में संचालित सभी प्राचार्य अथवा शाला प्रबंधक की बैठक 10 दिनों के भीतर बुलाई जाए।

इसमें यह समीक्षा की जाएगी कि निजी स्कूलों में प्रारंभिक कक्षाओं में कितने छात्रों ने प्रवेश लिया था तथा उनमें से कितने बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दी है। इसके अलावा आरटीई संबंधित अन्य बिंदुओं को गंभीरतापूर्वक लागू करने कहा गया है। गरीब छात्रों द्वारा महंगे निजी स्कूलों में पढ़ाई नियमित रूप से जारी नहीं रखे जाने के कारणों का भी पता लगाने कहा गया है। कलेक्टर से कहा गया है कि वे इस बात की जांच करें कि कहीं छात्रों द्वारा स्कूल छोड़ने का कारण निजी स्कूलों द्वारा लागू की जाने वाली महंगी फीस अथवा यूनिफॉर्म तो नहीं है? इसके अलावा निजी स्कूल प्रबंधन द्वारा छात्रों के साथ व्यवहार को भी जांचने कहा गया है। इस पहलू पर भी विचार करने कहा गया है कि छात्रों द्वारा स्कूल छोड़े जाने का कारण कहीं उनके साथ हो रहा असमानता का व्यवहार तो नहीं है।

खास खबर

होगी त्रैमासिक बैठक

समीक्षा के लिए त्रैमासिक बैठक ली जाएगी। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कहा गया है कि कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिसमें छात्र द्वारा स्कूल छोड़ दिया जाता है, लेकिन विद्यालय उनकी एंट्री स्कूलों में दिखाकर उनके नाम से फीस ले रहे हैं। ऐसे स्कूलों की भी जांच करने कहा गया है। यदि किसी छात्र द्वारा स्कूल छोड़ दिया जाता है तो प्रबंधन को उनकी एंट्री ड्रॉप आउट स्टूडेंट के रूप में करनी होगी। प्रतिवर्ष कम से कम दो बार आरटीई छात्रों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

20 मई से निकलेगी लॉटरी

आरटीई के अंतर्गत पहले चरण की आवेदन प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। पहले चरण की लॉटरी 20 मई से 30 मई तक निकाली जाएगी। इसमें जिन छात्रों के नाम होंगे, उन्हें 1 से 30 जून तक प्रवेश लेना होगा। इसके बाद दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। प्रदेश में 52 हजार 782 सीटों के लिए अब तक 74 हजार 132 आवेदन मिले हैं। स्कूलों के प्रोफाइल अपडेट सहित अन्य प्रक्रिया एक फरवरी से प्रारंभ हो गई थी।

पंजीयन दस्तावेज में संपत्ति का मूल्य हो सही, राजस्व हानि रोकने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जमीन, मकान, आवासीय या व्यावसायिक संपत्ति के पंजीयन के दौरान संपत्ति का मूल्य कम दिखाने से होने वाली राजस्व की हानि को लेकर सरकार सतर्क हुई है। इस मामले को लेकर वाणिज्यक कर (पंजीयन) विभाग ने प्रदेश के सभी जिला पंजीयकों को निर्देश देकर कहा है कि राजस्व की हानि नहीं होनी चाहिए।

- प्रदेश के सभी जिला पंजीयकों को भेजा गया पत्र

अचल संपत्ति के कम मूल्यांकन के फलस्वरूप होने वाले राजस्व हानि रोकने सभी जिला पंजीयकों को निर्देश दिए गए हैं। एसीएस मनोज पिंगुवा ने अपने पत्र में कहा है कि भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 31. धारा 33 व धारा 47 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर लिखत बाजार मूल्य एवं प्रभार्य स्टांप शुल्क का निर्धारण किया जाता है। इन विधिक प्रावधानों के अंतर्गत बाजार मूल्य या प्रभार्य स्टांप शुल्क के अवधारण के अधिकार इसलिए दिए गए है, ताकि लिखित पर संपत्ति के सही मूल्य नहीं लिखे जाने के फलस्वरूप शासन को हो रही राजस्व हानि का निवारण किया जा सके। भारतीय स्टाम्प अधिनियम एक महत्वपूर्ण कर विधि है तथा स्टाम्प पर अधिनियम के तहत कर निर्धारण अधिकारी के रूप में कलेक्ट कर प्रशासन कराधान विधि में योगदान होता है इस हानि को रोकने नए निर्देश दिए हैं।

गाइडलाइन से कम न हो संपत्ति का मूल्य निर्धारण

निर्देश में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम 2000 के तहत निर्धारित उपबंध एवं गाइडलाइन कीमतों से कम कीमत पर संपत्ति का मूल्यांकन नहीं किया जाए। यदि किसी प्रकरण विशेष में ऐसा प्रतीत होता है कि संपत्ति की कीमत गाइडलाइन दर से भी कम हो सकती है, तो छत्तीसगढ़ बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम 2000 के नियम 11 के तहत साक्ष्यों सहित विभाग अध्यक्ष को प्रस्ताव भेजा जाए एवं अनुमोदन के बाद आगे की कार्यवाही की जाए।

प्रयास आवासीय विद्यालय के बच्चे 10वीं 12वीं में टॉप पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जिलों में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं की कड़ी मेहनत और अनुशासन से शानदार सफलता मिली है। माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा हाल ही घोषित 10वीं और 12वीं बोर्ड के परीक्षा परिणामों में प्रयास आवासीय विद्यालय के बच्चों को एक बार फिर शानदार सफलता मिली है। प्रयास विद्यालय में 10वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम 99.3 प्रतिशत एवं 12वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम 97.22 प्रतिशत रहा है। इनमें 10वीं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत 96.45 एवं 12वीं में 82.02 प्रतिशत रहा है। इस वर्ष का परीक्षा परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में काफी अच्छा है।

प्रमुख सचिव वोरा, सचिव दुग्गा ने दी बधाई

बताया गया है कि गत वर्ष 10वीं में 90.70 प्रतिशत और 12वीं में 79.38 फीसदी रहा था। प्रदेश के प्रयास विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को बेहतर प्रदर्शन के लिए आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा और सचिव नरेन्द्र दुग्गा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन

बताया गया है कि विगत वर्षों में प्रयास आवासीय विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अब तक प्रयास आवासीय विद्यालय के 116 विद्यार्थी आईआईटी व समकक्ष में, 328 विद्यार्थी एनआईटी व समकक्ष में, 940 विद्यार्थी इंजीनियरिंग कॉलेज में एवं 52 विद्यार्थी एमबीबीएस में चयनित हुए हैं। इसके अलावा सीए, सीएस, सीएमए में 29 तथा क्लैट में 04 विद्यार्थी को सफलता मिल चुकी है।

10वीं में 7 बच्चों ने बनाया मेरिट में स्थान

आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा इस वर्ष घोषित परीक्षा परिणामों में प्रयास के 07 विद्यार्थियों ने मेरिट में स्थान बनाया है। मेरिट में आने वाले छात्र-छात्रों में प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर के 04 विद्यार्थी- श्री मयंक कोर्राम, कुमारी पायल अधिकारी, कुमारी वर्षा साहू और कुमारी मल्लिका मरकाम शामिल हैं।

रेफरी के रूप में एक पूर्व जज को रखा जाएगा

तेलंगाना पर बकाया 15 से हो गया 17 सौ करोड़ वसूलने अब आर्बिट्रेटर नियुक्त करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के तेलंगाना पॉवर कंपनी पर बकाया 15 सौ करोड़ का मामला अब तक सुलझ नहीं सका है और यह बकाया 15 सौ करोड़ से बढ़कर सरचार्ज के कारण करीब 17 सौ करोड़ हो गया है। बकाया वसूली के लिए सारे प्रयासों के बाद अब बीच का रास्ता निकालते हुए नियमों के मुताबिक दोनों कंपनियों की तरफ से एक-एक आर्बिट्रेटर नियुक्त करने की तैयारी है। साथ ही एक बीच का आदमी, जो कि कोई पूर्व जज होगा, उनको रेफरी की तरह नियुक्त किया जाएगा। इसके बाद सारा लेखा-जोखा देखते हुए फैसला होगा। ऐसा कहा जा रहा है, यह

फैसला दोनों कंपनियों को मान्य होगा। तेलंगाना पर कई सालों से 36 सौ करोड़ का बकाया है। पहले तेलंगाना ने इस बकाया में से 15 सौ करोड़ का ही बकाया माना, लेकिन बाद में तेलंगाना ने छह सौ करोड़ का और बकाया मान लिया। ऐसे में 21 सौ करोड़ का बकाया तो मान लिया गया, लेकिन 15 सौ करोड़ के बकाया पर पेंच फंसा रहा। बीते साल एक बार फिर से तेलंगाना बिजली कंपनी ने छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठकर आमने-सामने बात की तो 15 सौ करोड़ के और बकाया में से 13 सौ करोड़ का बकाया माना गया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य कंपनी तो तैयार हो गई, लेकिन तेलंगाना ने इसके बाद भी कोई जवाब नहीं दिया। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक लंबा समय होने के कारण सरचार्ज के कारण बकाया अब 15 से बढ़कर करीब 17 सौ करोड़ हो गया है।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय लगा चुका है फटकार

इस मामले में लगातार प्रयास के बाद भी काम न बनने पर छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने इस मामले में केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय में अपने बकाया का दावा किया तो इसके बाद केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने तेलंगाना कंपनी के अधिकारियों को बुलाकर फटकार लगाते हुए मामले को सुलझाने के लिए कहा। इसी के साथ कहा गया, अगर मामला नहीं सुलझा तो बकाया प्राप्ति पोर्टल पर अपलोड कर दी जाएगी। ऐसा होने पर पूरा बकाया देना ही पड़ेगा।

बिजली देना बंद

36 सौ करोड़ में से जो 21 सौ करोड़ का बकाया माना गया है, उसका पैसा किस्तों में आ रहा है, लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने अब तेलंगाना को बिजली देना बंद कर दिया है। वैसे तेलंगाना की कंपनी वापस बिजली लेना चाह रही है, लेकिन 17 सौ करोड़ बकाया का पेंच न सुलझने के कारण छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी वापस बिजली देने तैयार नहीं है। बकाया का मामला सुलझने के बाद कुछ शर्तों के साथ वापस बिजली देने का फैसला हो सकता है।

खबर संक्षेप

महिला से मारपीट

रायपुर। तेलीबांधा थाना में एक महिला ने एक व्यक्ति के खिलाफ जमीन बंटवारे के विवाद में मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक लभांडी निवासी कुमारी निषाद ने धनऊ निषाद के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। कुमारी ने पुलिस को बताया कि जमीन बंटवारे के विवाद पर धनऊ ने उसके साथ मारपीट की।

निधन

आयरा डॉलेन सोलोमन

रायपुर। राजा तालाब निवासी मेकाहारा की पूर्व नर्सिंग मेट्रन आयरा डॉलेन सोलोमन (80) का

17 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शनिवार शाम 4 बजे सेंट पल्स कैथेड्रल की प्रभु वाटिका में किया जाएगा। वे विलियम सोलोमन की पत्नी, प्रवीण, मधुलिका और स्व. निपुण सोलोमन की माता थीं।

उर्मिला बाई सिन्हा

रायपुर। राधाकृष्ण मंदिर के पीछे संजय नगर निवासी उर्मिला बाई

सिन्हा का 17 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 18 मई को प्रातः 9 बजे मारवाड़ी श्मशानघाट में किया जाएगा। वे सेवानिवृत्त प्रधान आरक्षक बिहारीलाल सिन्हा की पत्नी, मूलचंद और गुनाराम सिन्हा की माता थीं।

गणेश नंद

रायपुर। उमंग कॉलोनी आरडीए टिकरापारा निवासी गणेश नंद (80)

का 17 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम बसना में किया गया। वे डॉ. अजय नंद मसीह, उमेश व गजेंद्र के पिता थे।

डा. अनिल खाखरिया

रायपुर। देवेंद्रनगर निवासी डा. अनिल खाखरिया का गुरुवार देर रात एमएमआई में निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा पुराना बसस्टैंड स्थित उनके मूल निवास एमपी लॉज से शुक्रवार को सुबह 11 बजे देवेंद्रनगर मुक्तिधाम के लिए निकली, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे जयंती भाई, सुरेश भाई के छोटे भाई और महेश तथा जयदीप खाखरिया के बड़े भाई थे।

स्टेशन के नो पार्किंग में लागू होगा ई-चालान सिस्टम, पिक एंड ड्रॉप के लिए अलग सड़क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेलवे स्टेशन के नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों पर कार्रवाई करने अब रेलवे ई-चालान सिस्टम लागू करने की तैयारी में है। इसके लिए स्टेशन परिसर में हाईटेक कैमरा लगाया जाएगा। जानकारी मुताबिक जिला प्रशासन के साथ हुई बैठक में इसकी सहमति बनी है। रेलवे इसे प्रायोगिक रूप में चालू कर सकता है। हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद रेलवे जिला प्रशासन की मदद से पार्किंग का नया सिस्टम तैयार कर रहा है। संभवतः इसी महीने सिस्टम तैयार कर लागू किया जा सकता है। पहले नो पार्किंग में बाइक का 50 और कार का 100 रुपए था, लेकिन ई-चालान से यात्रियों को 500 तक देना पड़ सकता है।

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

बाइक को मिलेगी दोनों जगह से एंट्री और एग्जिट

बैठक में इस बात की भी सहमति बनी है कि बाइक की एंट्री और एग्जिट दोनों तरफ से होगी। कार के लिए नियम यथावत रहेगा। इसके अलावा जो लोग परिजनों को स्टेशन छोड़ने आ रहे हैं उनके लिए अलग से रोड़ निर्धारित किया जाएगा। इसके साथ ही बाइक व कार के खड़ी करने अलग मार्ग रहेगा। अब सिस्टमेटिक ढंग से गाड़ियां पार्क होगी। अधिकारियों का कहना है कि नए सिस्टम का ट्रायल होगा इसके लिए बाद लागू किया जाएगा। ई-चालान को भी पहले प्रायोगिक रूप में लागू किया जा सकता है।

बैठक के बाद पार्किंग सिस्टम में बदलाव करने जुटा रेलवे

शिकायतों का होगा तत्काल निराकरण

स्टेशन में एक से दो दिनों के भीतर बूथ बनकर तैयार हो जाएगा। अगर यात्री ने पार्किंग कर्मचारी से दुर्व्यवहार किया या फिर कर्मचारी के ओर से शिकायत मिली तो जिला पुलिस इसमें कार्रवाई करेगी। दिनभर में आरपीएफ और जीआरपी तैनात रहेगी। शिकायत आने पर तत्काल समाधान किया जाएगा।

दो दिनों में एक भी नहीं मिली शिकायत

गाड़ियों में लॉक का सिस्टम बंद होने के साथ यात्रियों की शिकायत कम हुई है। आरपीएफ और स्टेशन प्रबंधक के पास दो दिनों में पार्किंग को लेकर एक भी शिकायत नहीं मिली है। पहले हर दिन 3 से 4 शिकायत मिली जाती थी। अधिकारियों ने ठेकेदार को सख्त हिदायत दी है कि नियमों का उल्लंघन न किया जाए। सप्ताहभर के भीतर सिस्टम में काफी बदलाव लोगों को देखने मिलेगा।

गुरुवार को मंडल अधिकारियों और ठेकेदार के बीच हुई बैठक हुई, जिसमें पार्किंग सिस्टम में किए बदलाव की जानकारी दी गई। सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि स्टेशन के प्लेटफार्म और परिसर में बड़ी स्क्रीन पर पार्किंग नियमों की जानकारी दी जा रही है। टीवी, ऑडियो और विजुअल के जरिए प्रदर्शित कर लोगों को बताया जा रहा है।

पार्किंग सिस्टम को इस तरह बनाया जा रहा ताकि लोगों को किसी भी प्रकार से कोई दिक्कत न हो।

मुरुम की एक व गिट्टी से भरी दो गाड़ियां भी पकड़ी गईं

बारिश से पहले बढ़ी रेत की चोरी
रात्रि गश्त में 17 गाड़ियां पकड़ाईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले में अवैध रेत का परिवहन नहीं थम पा रहा है। खनिज विभाग की टीम जब-जब गश्त पर निकली है, तब-तब अवैध परिवहन में संलिप्त रेत से भरी गाड़ियां पकड़ी गई हैं। टीम गुरुवार रात को भी गश्त पर निकली थी, जिसने सुबह तक 20 गाड़ियों को पकड़ा। इनमें रेत से भरे 17 हाईवा हैं और 2 गिट्टी तथा 1 मुरुम से भरी गाड़ी शामिल है। इन गाड़ियों के मालिकों पर कार्रवाई करते हुए उनसे 5 लाख से अधिक का जुर्माना वसूला गया है।

बारिश का सीजन शुरू होने से पहले रेत की चोरी बढ़ गई है। इसके कारण जिले की रेत खदानों में जहां अवैध रूप से उत्खनन किया जा रहा है, वहीं नियम के खिलाफ जाकर माउंटेन मशीनों के जरिए लोडिंग भी कराई जा रही है। जिला कलेक्टर ने रेत का अवैध परिवहन रोकने के लिए खनिज विभाग को निर्देश दिए हैं। इस निर्देश के तहत विभागीय टीम पिछले सप्ताहभर से जिले में लगातार अवैध परिवहन में संलिप्त गाड़ियों को पकड़ने की कार्रवाई कर रही है। इस कार्रवाई के दौरान गुरुवार देर रात प्रभारी खनिज निरीक्षक रघुनाथ भारद्वाज के नेतृत्व में टीम गश्त पर निकली थी। इस दौरान 20 गाड़ियों को पकड़ा गया। इसमें 17 गाड़ी में रेत, 2 में गिट्टी एवं 1 गाड़ी मुरुम से भरी पकड़ी गई। इन सभी गाड़ियों के मालिकों के पास रायल्टी पर्ची नहीं मिली। इस तरह सभी अवैध रूप से खनिज सामग्री का परिवहन कर ले जा रहे थे। इन सभी गाड़ियों को जब्त करते हुए उनके मालिकों पर जुर्माना लगाया गया है।

लखना खदान में चल रहा था अवैध उत्खनन 3 माउंटेन मशीन व दो हाईवा जब्त

जिले के 13 में 7 खदानों को अब तक पर्यावरण विभाग से एनओसी नहीं मिल पाई है। इसके बाद भी इनमें से कई खदानों में अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा है। विभागीय टीम ने 15 मई को गश्त के दौरान लखना खदान से 3 माउंटेन मशीन एवं दो रेत से भरे हाईवा जब्त किया था। इसके अलावा पारागांव खदान से भी रेत से भरा एक हाईवा पकड़ा गया है।

सप्ताहभर में 45 से ज्यादा गाड़ियां पकड़ी गईं

सूत्रों के अनुसार जिले में सप्ताहभर में टीम ने गश्त के दौरान खनिज सामग्री के अवैध परिवहन में संलिप्त 45 से ज्यादा गाड़ियां पकड़ी हैं। इनमें लगभग 40 गाड़ियां रेत से भरी पकड़ी गई हैं। इन गाड़ियों के मालिकों से करीब 10 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया है।

अवैध उत्खनन-परिवहन रोकने कार्रवाई जारी

जिले में खनिज सामग्री का अवैध परिवहन रोकने कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाइ के दौरान गाड़ियों को जब्ती बनाकर मालिकों पर जुर्माना लगाया जा रहा है।

- **केके गोलघाटे**, उप संचालक खनिज विभाग

अनोखी चोरी, मंदिर में नई रखकर पैसों से भरी पुरानी दानपेटी उठा ले गया चोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

चोरों के लिए चोरी से बड़ा धर्म कोई नहीं है, लेकिन राजधानी के मुजगहन थाना क्षेत्र के बोरियाकला में अनोखी चोरी की घटना सामने आई है। चोर मंदिर में पैसों से भरी दानपेटी चोरी करने के बाद ताला लगी नई दानपेटी वहां रख गया। चोरी की इस अनोखी घटना को लेकर पुलिस भी हैरान है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि मंदिर में चोर ताला लगी नई दानपेटी किस उद्देश्य से छोड़कर गया है, यह जांच का विषय है।

पुलिस के मुताबिक बोरियाकला हाउसिंग बोर्ड तथा शेडार रेसिडेंसियल स्थित हनुमान मंदिर से अज्ञात चोर नकदी से भरी दानपेटी चोरी कर ले गया है। लोगों को घटना की जानकारी शुक्रवार को सुबह पूजा करने जाने के दौरान मिली। गौरतलब है कि मंदिर में मंगलवार तथा शनिवार को भक्तों की भीड़ रहती है। शुक्रवार को महिलाएं सामान्य दिनों की तरह मंदिर में पूजा करने के लिए पहुंचीं, तो पहले किसी का ध्यान दानपेटी की तरफ नहीं गया। मंदिर में नियमित पूजा करने आने वाली एक महिला का ध्यान दानपेटी की तरफ गया, तो उस महिला ने नई दानपेटी के बारे में अन्य महिलाओं से पूछताछ की, तो महिलाओं ने नई दानपेटी को लेकर अनभिज्ञता जाहिर की।

नई दानपेटी को ताला लगाकर छोड़ा

पुरानी दानपेटी में कितने का चढ़ावा है, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि पुरानी दानपेटी में चढ़ावा के पांच से सात सौ रुपए हो सकते हैं। दानपेटी में नया ताला देखने के बाद महिलाओं ने मंदिर में दानपेटी में लगे ताले की चाबी ढूंढने की कोशिश की, लेकिन चाबी कहीं नहीं मिली। अनुमान लगाया जा रहा है, चोर मंदिर में नई दानपेटी में ताला लगाने के बाद चाबी भी अपने साथ ले गया होगा।

कार चालक ने गाड़ी व्यवस्थित रखने के बजाय पार्किंग कर्मचारी से की मारपीट

एयरपोर्ट पार्किंग में मारपीट, चाकू लहराकर धमकाया, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माना एयरपोर्ट पार्किंग में कार पार्क विवाद को लेकर एक कार चालक ने पार्किंग कर्मी के साथ मारपीट की। कार चालक की गुंडागर्दी इतने में कम नहीं हुई। मारपीट करने वाले बदमाश पर लोगों को चाकू लहराकर धमकाने का आरोप है। घटना गुरुवार शाम पौने चार बजे की है। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में

पेश कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस के मुताबिक प्रशांत विश्वकर्मा के साथ मारपीट करने के आरोप में तेलीबांधा निवासी शेख समीर को गिरफ्तार किया है। प्रशांत ने पुलिस को बताया है कि वह घटना दिनांक को पार्किंग में व्यवस्थित तरीके से कार पार्क करा रहा था, इसी दौरान समीर कार लेकर पार्किंग में पहुंचा और अव्यवस्थित तरीके से कार पार्क किया। इस बात को लेकर प्रशांत ने समीर को सही तरीके से पार्क करने के लिए कहा। इससे नाराज होकर समीर ने अपनी जेब से चाकू निकालकर प्रशांत के साथ मारपीट की।

युवती की हत्या के आरोप में ममेरे भाई को उम्रकैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खरोरा थाना क्षेत्र में दो वर्ष पूर्व मामूली विवाद पर युवती की हत्या के आरोप में कोर्ट ने मृतका के ममेरे भाई को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश लीलाधर साय की कोर्ट में हुई है। घटना 15 अगस्त 2022 की है। लोक अभियोजक मोहन लाल साहू के मुताबिक कोर्ट ने काजल वर्मा की हत्या के आरोप में मुकेश वर्मा को कैद की सजा सुनाई है। मुकेश घटना दिनांक को काजल को देवरी टोल नाका के पास से अपनी बाइक में लिफ्ट देकर टेकारी ले जा रहा था। इसी दौरान अडसेना खल्लारी के पास किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान मुकेश ने आवेश में आकर काजल की गला घोंटकर हत्या कर दी और उसकी लाश पास के तालाब के पास पानी से भरे एक गड्ढे में फेंककर फरार हो गया। घटना के दूसरे दिन एक राहगीर ने पानी में युवती की लाश देख पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर मुकेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने हत्या का अपराध कबूल कर लिया।

सिंचाई कालोनी की...

हाउसिंग बोर्ड को हस्तांतरण भी कर दिया है। पूर्व में कांग्रेस सरकार द्वारा की गई पहल भी सत्ता बदलते ही ठंडे बस्ते में थी। इससे पहले हाउसिंग बोर्ड ने भी सिंचाई विभाग को कॉलोनी बनाकर देने के बाद करीब 16 एकड़ जमीन बचने पर बोर्ड ने उसमें लोगों के लिए डुप्लेक्स बंगले और फ्लैट्स की स्कीम भी बनाई है। जमीन पर एक कमर्शियल कांप्लेक्स बनाने का प्लान तैयार किया गया है। बोर्ड के मुताबिक सरकार बदलने के बाद प्रोजेक्ट से जुड़ी सारी प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब बजट का इंतजार है। मंजूरी मिलने के बाद अलग-अलग फेज में शामिल निर्माण कार्य को एजेंसी तय करने के बाद शुरू करने की तैयारी है।

फंड मिलने पर कई फेज में निर्माण

हाउसिंग बोर्ड के प्लान में गर्ल्स स्कूल और नियामक आयोग की जमीन को छोड़कर 19.76 एकड़ जमीन बची। इसमें सिर्फ 16 एकड़ जमीन पर ही योजना को आकार दिया जाना है। इस

पेज 11 के शेष

जमीन की कीमत 5 साल पहले करीब 77.42 करोड़ रुपए तय की गई थी। जमीन के बदले में हाउसिंग बोर्ड सिंचाई विभाग को 3.76 एकड़ में 86.24 करोड़ में तब 320 मकान बनाकर देने वाला था। अब इसकी लागत को भी रीव्यू किया जाएगा। इतना ही नहीं, 605.68 करोड़ के प्रोजेक्ट की लागत भी बढ़ने वाली है।

सुधरा पीजी हास्टल का...

वाटर कूलर को सुधरवाया गया और छात्रों को ठंडा पानी नसीब हुआ। मेडिकल कालेज का पीजी हास्टल अस्पताल भवन के पीछे मरचुरी के निकट बना हुआ है। तीन मंजिला भवन के इस हास्टल में दो सौ से अधिक छात्र रहकर अपनी पढ़ाई करते हैं। वहां पानी की सप्लाई के लिए लगाए गए प्रथम और द्वितीय तल के वाटर कूलर में दिक्कत थी। इन बिगड़ी व्यवस्था को सुधारने के अलावा अन्य वाटर कूलर में आवश्यक सुधार किया गया है। हास्टल में रहने वाले पीजी छात्र एमडी-एमएस की पढ़ाई के साथ आंबेडकर अस्पताल में मरीजों के इलाज के लिए ड्यूटी भी करते हैं।

दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने...

में किसी एक में पाई जाती है। इसी बीमारी के कारण बहनों की श्रवण शक्ति बचपन से कमजोर थी। इसके अलावा एक बच्ची की आंख नीली हो गई थी और दूसरी के शरीर में सफेद दाग हो गया। दोनों को बहरेपन का प्रमाणपत्र दिया जाएगा, मगर इसके साथ ही उनकी समस्या के समाधान के लिए हियरिंग एड मशीन देने अथवा कॉकलियर इंप्लांट के माध्यम से इलाज की तैयारी की जा रही है।

फरवरी जैसा तापमान...

इसके साथ एक द्रोणिका छत्तीसगढ़ के ऊपर मौजूद है, जिसके प्रभाव से बादल और कहीं-कहीं बारिश हो रही है। शुक्रवार को इन्हीं बादलों की वजह से तापमान सामान्य से काफी नीचे दर्ज किया गया और गर्मी सामान्य स्थिति में रही।

// आम सूचना //

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर

जारी दिनांक 05/05/2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री तरूण कुमार तिवारी , अश्वनी बघेल पिता/पति कृपा बघेल निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम उमरिया पटवारी हल्का नम्बर 19 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा 338/1, 338/2, रकबा 0.0100, 0.0100 हेक्टेयर का सीमांकन/बटांकन/बंदोबस्त त्रुटि, न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 10/02/2024 के परिपालन में दिनांक 20/05/2024 को समय 12 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन/ बटांकन/ बंदोबस्त त्रुटि में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नम्बर 19 के उमरिया में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

आम सूचना

सर्वसाधारण को आम जनता को एतद द्वारा सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार के छोटे भाई का विवाह श्री अनूप मिश्रा, पता रेलवे स्टेशन के पास, देवाडी, पोस्ट-तुमसर, जिला- भंडारा (महाराष्ट्र), 441913 की पुत्री के साथ तय हुआ था और उक्त वैवाहिक रिश्ते के संबंध में आंशिक रूप से धार्मिक अनुष्ठान संपादित किए गए है, चूंकी इसी दौरान उपरोक्त लड़की / वधु पक्ष वालों द्वारा मेरे पक्षकार एवं उसके परिवार वालों को वास्तविक तथ्यों से अनभिज्ञ रखते हुए अपनी पुत्री के संबंध में असत्य एवं झूठी बाते बतलाकर विवाह हेतु रिश्ता तय किये जाने की जानकारी होने के कारण मेरे पक्षकार के परिवार वालों द्वारा अब उपरोक्त प्रस्तावित वैवाहिक रिश्ते को समाप्त किए जाने का निर्णय लिया गया है और उक्त प्रस्तावित रिश्ते के संबंध में पूर्व में निष्पादित समस्त धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम को शून्य, अवैध एवं निष्प्रभावी होना घोषित कर लड़की पक्ष वालो से हर हमेशा के लिए रिश्ता समाप्त किये जाने का निर्णय लिया गया है और अब मेरे पक्षकार के छोटे भाई द्वारा किसी भी अन्य लड़की / परिवार से वैवाहिक रिश्ता तय कर विवाह करने हेतु वह हर प्रकार से विधि द्वारा मुक्त एवं स्वतंत्र है तथा उपरोक्त मिश्रा परिवार से पूर्व में तय वैवाहिक रिश्ता अब मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी न होकर समाप्त हो चुका है।

अतः उपरोक्त के संबंध जिस किसी भी व्यक्ति परिवार अथवा लड़की पक्ष को यदि कोई भी उजर दावा या आपत्ति हो तो वे इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर कृपया मय दस्तावेज एवं प्रमाण मेरे समक्ष उपस्थित होकर अपनी आपत्ति व्यक्त करें अन्यथा समयावधि उपरांत आपके किसी भी आपत्ति पर कोई विचार अथवा प्रतिक्रिया नहीं दी जावेगी एवं मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा।

रायपुर छ.ग.
दिनांक - 17/05/2024 **भवदीय**
कु. अरूणा मिश्रा
अनुज मिश्रा, अधिवक्ता
सिविल कोर्ट, रायपुर छ.ग.
मो.- 9893130323, 9753871812

:: आम सूचना ::

(ग्राम- माना, प.ह.नं. 80 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 341/18 रकबा 0.1620 हैक्टेयर के संबंध में)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्रीमती आयुषी कुकरेजा पति श्री भीषम कुमार कुकरेजा निवासी मकान नं.- 61, शदाणी नगर, बोरियाकला, माना, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि ग्राम- माना, प.ह.नं. 80, रा.नि.मं. रायपुर-18- कांदुल तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित खसरा नंबर 341/18 रकबा 0.1620 हैक्टेयर है, को क्रय करने का सौदा तय कर चुके है। अब केवल सौदे की शेष राशि अदा कर विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन कराया जाना शेष है । अतः उपरोक्त संव्यवहार या उसके किसी भाग के स्वामित्व, आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, निकाय, बोर्ड या निगम, प्राधिकरण, साहूकार, शासन एवं प्रशासन आदि को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो वह इस सुचना प्रकाशन तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर अपनी लिखित आपत्ति मेरे नीचे लिखे पते पर सुसंगत दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करें, अन्यथा समयावधि उपरांत उक्त भूमि का पंजीयन मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में या अपने इच्छुक व्यक्ति या संस्था के नाम पर करवा लिया जावेगा, तत्पश्चात प्राप्त कोई भी आपत्ति या दावा झूठा एवं नाजायज माना जावेगा तथा वह मेरे पक्षकार पर बंधनकारी वो बाध्यकारी नही होगा । सो सूचना जाने ।

स्थान : रायपुर (छ.ग.)
दिनांक : 17/05/2024 **भवदीय**
हेमन्त डहरवाल, अधिवक्ता
शॉप नं. 02, प्रथम तल, बाबजी कॉम्प्लेक्स, श्याम टॉकिज रोड, बुढ़ापारा, रायपुर (छ.ग.)
मोबाईल नं. 9993952220

भगवान परशुराम की शोभायात्रा में शामिल हुए हजारों विप्रजन

रायपुर। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा घोषित भगवान परशुराम पखवाड़ा के अंतर्गत पूरे प्रदेश में शोभायात्रा का धूमधाम से आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग ब्राह्मण समाज द्वारा अग्रसेन भवन से आयोजित भव्य शोभायात्रा में प्रदेश के सभी ब्राह्मण समाज पूरे जोश-खरोश के साथ शामिल हुए। शोभायात्रा का अग्रसेन भवन से गाजे-बाजे के साथ स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, सदर, गंजपारा होते हुए ब्राह्मण समाज भवन में भोजन प्रसादी के साथ समापन हुआ।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508133

खबर संक्षेप

अटल मॉनिटरिंग पोर्टल से निगरानी में होगी आसानी

रायपुर। अटल मॉनिटरिंग पोर्टल (सीएम डैशबोर्ड) के विकास एवं क्रियान्वयन के लिए शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एक दिवसीय डिजाइन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में राज्य शासन के सभी विभागों के सचिव स्तरीय अधिकारियों, विभागीय नोडल अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ को अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से प्रदेश में क्रियान्वित सभी केंद्रीय योजनाओं, राज्य योजनाओं, जनहित में लिए गए प्रमुख निर्णयों, दिए गए निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा की जाएगी। कार्यशाला में ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फाउंडेशन डॉ. आंद्रे नोगवीरा और उनकी टीम ने पोर्टल के विकास संबंधी तकनीकी विषयों की जानकारी दी।

मच्छर नियंत्रण के लिए एंटी लार्वा, फॉगिंग

रायपुर। शहर में मच्छरों से राहत दिलाने के लिए नगर निगम द्वारा मच्छर नियंत्रण के लिए एंटी लार्वा का छिड़काव व फॉगिंग कराई जा रही है। इसके तहत शुक्रवार को उषा प्राइड के सामने के क्षेत्र की बस्ती में श्रीराम मंदिर मौलश्री विहार क्षेत्र, स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड, मिनीमाता गुढ़ियारी, खालबाड़ा, सोलापुरी माता मंदिर संन्यासीपारा क्षेत्र वार्ड क्रमांक 7 एवं 48 के क्षेत्र, जोन 2 के वार्ड क्रमांक 26 के कुकरी तालाब क्षेत्र के आसपास सहित विभिन्न बस्तियों, मार्गों, स्थानों में एंटी लार्वा ट्रीटमेंट एवं फॉगिंग का कार्य किया गया। इस दौरान अपर आयुक्त राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कालीमाता वार्ड के खपराभट्ठी क्षेत्र में मच्छरों पर नियंत्रण के लिए चलाए गए फॉगिंग अभियान का निरीक्षण किया।

एवीवाय के ठेकेदार पर 10 हजार जुर्माना

रायपुर। नगर निगम को शिकायत मिली थी कि वार्ड क्रमांक 30 के शंकर नगर में हाउसिंग बोर्ड कांप्लेक्स में सी एंड सी वेस्ट डंप पड़ा हुआ है। इस शिकायत पर निगम की स्वास्थ्य विभाग के जोन स्वास्थ्य अधिकारी उमेश नामदेव, स्वच्छता निरीक्षक अब्दुल नफीस की उपस्थिति में निरीक्षण किया गया। विभाग की टीम को मौके पर सी एंड सी वेस्ट डंप मिला। शिकायत सही पाए जाने पर इस मामले में संबंधित ठेकेदार एजेंसी एवीवाय इंफ्रास्ट्रक्चर के ठेकेदार पर 10 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया, साथ ही डंप वेस्ट को वहां से हटाने के निर्देश दिए।

दान में मिली त्वचा से सुधर रहा बिगड़ा चेहरा, चपटी नाक भी हो गई सुंदर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मृत्यु की बाद दान में दी गई त्वचा की मदद से कई मरीजों का बिगड़ा चेहरा अब सुधरने लगा है। पिछले दिनों डीके अस्पताल में एक युवती की चपटी नाक को कास्मेटिक सर्जरी की मदद से सुंदर बनाया गया था। स्किन बैंक में सुरक्षित रखी गई त्वचा के उपयोग से अब तक दर्जनभर मरीजों का इलाज किया जा चुका है।

राज्य में अभी दो अस्पतालों में स्किन बैंक की सुविधा है। इनमें एक निजी सेक्टर तथा दूसरा शासकीय डीके अस्पताल में मौजूद है। ब्रेनडेड मरीजों के अलावा अन्य मरीजों की मृत्यु के बाद रिश्तेदार उनकी त्वचा का दान इस स्किन बैंक में कर रहे हैं, जो दूसरे मरीजों की तकलीफ कम करने के काम में आ रहा है। जानकारी के अनुसार बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग में आने वाले मरीजों को आवश्यकता के अनुसार कास्मेटिक सर्जरी का लाभ भी मिलने लगा है। कुछ समय पहले अस्पताल में एक युवती की नाक की सर्जरी कर उसे सुंदर बनाया गया है। युवती अपनी चपटी नाक की परेशानी लेकर वहां के चिकित्सकों के पास पहुंची थी, जिसकी सर्जरी की गई थी। इसके अलावा डीके अस्पताल के इस विभाग में दर्जनभर अन्य मरीजों के शरीर का घाव भरने के लिए दान में मिली त्वचा का उपयोग किया गया है। जानकारी के अनुसार स्किन बैंक में अब तक आठ से अधिक परिवार ने अपने सगे-संबंधी की मृत्यु के बाद उनकी त्वचा दान में दिया था।

स्किन बैंक की मदद से दर्जनभर मरीजों की हो चुकी कास्मेटिक सर्जरी

त्वचा रोगियों को छोड़ सबका दान

चिकित्सकों के अनुसार त्वचा का दान सामान्य मृत्यु के बाद भी किया जा सकता है। केवल त्वचा अथवा किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों की त्वचा दान में नहीं ली जाती। इसके लिए डीके अस्पताल के स्किन बैक अथवा राज्य अंग एवं उतक प्रत्यारोपण संगठन के दफ्तर में संपर्क कर इस प्रक्रिया को पूरी की जा सकती है। दान में मिली त्वचा को एक निर्धारित तापमान में स्किन बैंक में दस साल भी सुरक्षित रखा जा सकता है।

आवश्यकता पर उपयोग

स्किन बैंक में दान में मिली त्वचा को सुरक्षित रखा जाता है। बर्न एवं प्लास्टिक विभाग में इलाज के लिए आने वाले मरीजों की सर्जरी में आवश्यकता अनुसार इसका उपयोग किया जाता है।

- डॉ. हेमंत शर्मा, उपअधीक्षक, डीके अस्पताल

क्रिप्टो में हर माह 10 प्रतिशत मुनाफा का झांसा देकर 30 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

क्रिप्टो से लेकर टास्क पूरा करने के नाम पर एक सप्ताह के भीतर साढ़े तीन करोड़ की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

क्रिप्टो करंसी सहित टास्क पूरा करने का झांसा देकर एक सप्ताह के भीतर राजधानी के सेजबहार, टिकरापारा तथा पंडरी थाना क्षेत्र में साढ़े तीन करोड़ रुपए ठगी करने की घटनाएं सामने आई हैं। क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर 10 प्रतिशत हर माह मुनाफा देने का झांसा देकर होटल कारोबारी से 30 लाख रुपए की ठगी करने के एक आरोपी को पुलिस ने ओडिशा से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। ठगी की घटना में शामिल अन्य तीन आरोपियों की पुलिस जल्द ही पतासाजी कर गिरफ्तार करने की बात कह रही है।

पुलिस के मुताबिक पेशे से होटल कारोबारी सुशांत कुमार से ठगी करने के आरोप में ओडिशा, काटाभांजी निवासी अमित कुमार थापा को ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सुशांत ने पुलिस को बताया है कि परिचित के माध्यम से उनका ओडिशा में अमित से परिचय हुआ। सुशांत का अमित के साथ जब परिचय हुआ तो अमित के साथ उसके अन्य जालसाज साथी भी उपस्थित थे। बातचीत में अमित ने सुशांत को बताया कि वह और उसके साथी एमबीई कामर्स प्रायवेट लिमिटेड नाम से कंपनी चलाते हैं।

सोशल मीडिया में सेलिब्रिटी की एआई तकनीक से वीडियो बनाकर लोगों को झांसे में लेने की कोशिश

कंपनी में जुड़ने पर 10 प्रतिशत कमीशन की गारंटी

बातचीत के दौरान अमित ने सुशांत को अपनी कथित कंपनी का रजिस्ट्रेशन नंबर सहित अन्य दस्तावेज दिखाते हुए बताया कि उनकी कंपनी क्रिप्टो करेंसी लेन-देन करने का काम करती है। इससे उसकी कंपनी का हर वर्ष ग्रोथ रेट दोगुना से ज्यादा होने का झांसा दिया। अमित ने सुशांत को अपनी कंपनी में क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने पर हर माह 10 प्रतिशत तक मुनाफा देने का झांसा देकर उससे कैश के साथ बैंक अकाउंट के माध्यम से 30 लाख रुपए अलग-अलग अकाउंट में ट्रांसफर कराया।

रकम वापस मांगने पर दिखाए सब्ज बाग

पुलिस के अनुसार रकम निवेश करने पर जालसाजों ने शुरुआती दौर में सुशांत को उनके द्वारा लगाई गई रकम में रिटर्न भी दिया। इसके बाद रिटर्न देना बंद कर दिया। रिटर्न नहीं मिलने पर सुशांत से अमित से पैसों की मांग की, तो अमित ने सुशांत को उनका पैसा सुरक्षित होने का झांसा देकर क्रिप्टो में मुनाफा की रकम में वृद्धि होने का सब्ज बाग दिखाया।

पैसे देने से बचने कहा- कंपनी किसी अन्य ने टेकओवर कर ली

पुलिस के अनुसार ठगी की घटना दो वर्ष पूर्व की है। लंबे अरसे से क्रिप्टो में निवेश राशि से पैसा नहीं मिलने पर सुशांत ने अमित से अपने पैसों की मांग की तो अमित ने सुशांत को कहा कि कंपनी किसी दूसरे ने टेकओवर कर लिया है, स्थिति सामान्य होने के बाद अमित ने सुशांत को रकम लौटाने का झांसा दिया। इसके बाद सुशांत को अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली।

शेयर मार्केट, टास्क पूरा करने के नाम पर ठगी

पंडरी तथा टिकरापारा थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क कर एक डॉक्टर से दो करोड़ 92 लाख तथा एक युवती से टास्क पूरा करने के नाम पर जालसाजों ने साढ़े आठ लाख रुपए ठगी का शिकार बनाया है। डॉक्टर सुनील कुमार देवांगन ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह शेयर बाजार का काम करता है। फेसबुक में विज्ञापन देखकर डॉक्टर एक शेयर एप डाउनलोड कर ठगी का शिकार हुआ। इसी तरह पिंकी साहू अज्ञात कॉल पर विश्वास कर टास्क पूरा करने के नाम पर ठगी का शिकार हुई है।

एआई से सेलिब्रिटी का वीडियो बनाकर ठगा

पिछले कई महीनों से एआई के माध्यम से न्यूज चैनलों का फर्जी लोगो लगाकर सेलिब्रिटी का वीडियो अपलोड कर एआई के माध्यम से शेयर बाजार तथा अन्य कारोबार का एप डाउनलोड करने जालसाज, यूजर को प्रेरित कर रहे हैं। पंडरी थाना क्षेत्र में डॉक्टर के साथ ठगी की घटना एआई के माध्यम से किए जाने की बात जानकार कह रहे हैं।

निगम ने चलाया अभियान

दुकानों के सामने लगे डमी पुतले विज्ञापन बोर्ड, स्टैंड व कैरेट जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ी हुई है, जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ट्रैफिक जाम का बड़ी वजह सड़कों के किनारे अवैध रूप से लगे ठेले-गुमटियों के अलावा दुकानों के बाहर लगे विज्ञापन बोर्ड, डमी पुतले, स्टैंड व कैरेट जैसे कई समान हैं। इनके कारण सड़कों पर गाड़ियों के आवागमन के लिए जगह कम मिल पाती है, जिससे जाम की स्थिति बनते रहती है। नगर निगम प्रशासन ने लोगों को जाम से राहत दिलाने के लिए शुक्रवार को शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर अभियान चलाते हुए दुकान संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए समान जब्ती की कार्रवाई है। इस दौरान कुछ ठेले भी जब्त किए गए।

पुलिस टीम की मौजूदगी में कार्रवाई

नगर निगम की टीम ने पुरानी बस्ती से लाखे नगर चौक मुख्य मार्ग, जी.ई. रोड में आमापारा चौक से अनुपम गार्डन मार्ग के दोनों ओर कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने रेडीमेड वस्त्रों की दुकानों के बाहर फुटपाथ पर लगे 35 डमी पुतले, 100 कैरेट, 20 स्टैंड, 60 विज्ञापन बोर्ड, 12 गद्दे, 8 कुर्सी, 5 ठेले जब्त किए। इस कार्रवाई के दौरान टीम को कई जगहों पर दुकान संचालकों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। निगम टीम के साथ पुलिस की टीम भी मौजूद रही। इस कारण दुकानदार निगम की कार्रवाई में ज्यादा देर तक बाधा उत्पन्न नहीं कर पाये।

राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सत्र का हुआ समापन, अफसरों को दिए निर्देश

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी में संभाग और जिले के अधिकारियों के 5 दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सत्र समापन अवसर पर कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग में प्रशासनिक कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए संभाग और जिले के अधिकारियों का प्रशिक्षण आवश्यक है। संचालक लोक शिक्षण दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग बेहतर तरीके से करेंगे। अब शत प्रतिशत योजनाओं को गति देने में आसानी होगी संभाग और जिले के शिक्षा अधिकारियों 5 दिन में रिफ्रेश होकर नई ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर टीसी महावर ने कहा कि विभाग की आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों से अनुशासन में रहकर नियमों का पालन किए जाने की अपेक्षा करते हुए कार्यालय की प्रबंधन क्षमता और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने का सुझाव दिया। समारोह के प्रारंभ में संकाय सदस्य डॉ अभिषेक दुबे ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण के विषयों पर जानकारी दी। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा विभाग की उपसचिव इफ्फत आरा, अतिरिक्त संचालक डॉ. योगेश शिवहरे, उप संचालक आशुतोष चावरे, अशोक नारायण बंजारे, प्रशांत पांडेय, अकादमी के कोर्स डायरेक्टर अभिषेक दुबे, डॉ. सीमा सिंह और नोडल प्रभारी डी. दर्शन भी उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन उप संचालक श्री आशुतोष चावरे ने किया।

सोना फिर 76 हजार पार चांदी पहली बार 91 हजार

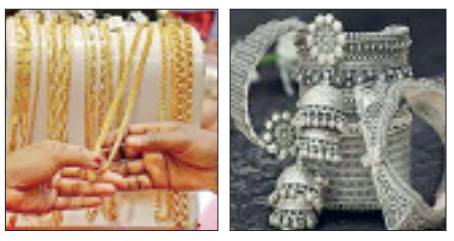

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सोने और चांदी की कीमत को फिर से पर लग गए हैं। सोना एक बार फिर से 18 अप्रैल के बाद 76 हजार के पार होकर राजधानी रायपुर में जीएसटी के साथ 76200 रुपए हो गया है। चांदी की कीमत पहली बार 91 हजार के पार होकर 91100 रुपए किलो हो गई है। यह इतिहास में सबसे ज्यादा कीमत है।

सोने की कीमत में अप्रैल में रिकॉर्ड तेजी के बाद इस माह कीमत में कमी होती गई। लेकिन एक बार से कीमत लगातार बढ़ रही है। सोने और चांदी के भाव में दो दिन में सोना 1100 प्रति 10 ग्राम एवं चांदी 4300 प्रति किलोग्राम की बढ़ी है। रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने बताया, सोने-चांदी के भाव की वृद्धि का मुख्य कारण अमेरिका का अप्रैल माह का जो डाटा आया है उसमें मुद्रास्फीति कम होने से आगामी तिमाही में फेडरल बैंक ब्याज दर कम होने की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में सोने की कीमतों में तेजी आ रही है। निवेदक एवं स्टॉकिस्ट सोने और चांदी में निवेश करके मुनाफा कमान चाह रहे हैं। इसी के साथ चांदी का जहां तक सवाल है तो सोलर प्लांट में चांदी की खपत लगातार बढ़ती जा रही है, इससे चांदी की कीमतों में भी आगे बढ़ोतरी की संभावना है।

10 एकड़ भूमि पर अवैध प्लाटिंग कर मकानों का कराया जा रहा था निर्माण, निगम ने लगाई रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर में अवैध प्लाटिंग के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बोरियाखुर्द क्षेत्र के ग्राम कांदुल रोड के पास भी एक मामला सामने आया है, जहां 10 एकड़ निजी भूमि पर अवैध प्लाटिंग करा कर वहां मकानों का निर्माण कराया जा रहा था। इसकी शिकायत पर नगर निवेश की टीम ने शुक्रवार को इस काम पर रोक लगाते हुए इस प्लाट पर बनाई गई मुरुम रोड और डीपीसी को हटाने की कार्रवाई की।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने जिले में अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के इस निर्देश के बाद नगर निगम के पास अवैध प्लाटिंग की लगातार शिकायतें आ रही हैं। इन शिकायतों पर नगर निगम का निवेश विभाग कार्रवाई भी कर रहा है। इसी कड़ी में बोरियाखुद में ग्राम कांदुल रोड के पास लगभग 10 एकड़ निजी भूमि पर अवैध प्लाटिंग कर मकानों का निर्माण किया जा रहा है, इसकी शिकायत निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के पास आई थी। इस शिकायत पर आयुक्त ने कार्रवाई करने के निर्देश दिए। टीम जब मौके पर पहुंची, तो वहां मुरुम रोड बनाने के साथ मकानों के निर्माण के लिए डीपीसी का काम तक हो चुका था। टीम ने अवैध मुरुम रोड को श्रीडी से काटा और डीपीसी को हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान नींव को भी श्रीडी से तोड़कर वहां पहुंचने वाले मार्ग को बाधित किया।

नगर निवेश विभाग की कार्रवाई

गोगांव क्षेत्र में 3 एकड़ भूमि पर अवैध प्लाटिंग पर लगाई रोक

जोन 1 के अंतर्गत संत कबीर दास वार्ड क्रमांक 3 के गोगांव क्षेत्र में काला मैदान में लगभग 2 एकड़ तथा बंधवा तालाब के पास लगभग 1 एकड़ निजी भूमि पर भी अवैध प्लाटिंग कर यहां मुरुम रोड का निर्माण किया गया था। निगम टीम ने यहां भी प्लाटिंग पर रोक लगाने की कार्रवाई की।

एफआईआर होगी दर्ज

अवैध प्लाटिंग करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत थानों में नामजद एफआईआर दर्ज की जाएगी। निगम के अधिकारी अवैध प्लाटिंग मामले में निजी भूमि के मालिकों का पता लगा रहे हैं। इसके बाद उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

सेन जयंती समारोह, बाजे-गाजे के साथ निकाली शोभायात्रा

रायपुर। कनौजिया सेन समाज, युवा मंडल सेवा समिति रायपुर ने सेन जयंती समारोह का आयोजन मायाराम सुरजन हॉल राजबंधा मैदान में किया। कार्यकारिणी सदस्य रवि सेन ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि अजय श्रीवास की अध्यक्षता में कार्यक्रम शुरू हुआ। सर्वप्रथम संत शिरोमणि सेनजी महाराज की कलश शोभायात्रा में कनौजिया सेन समाज से बड़ी संख्या में सामाजिकजन उपस्थित होकर गाजे-बाजे के साथ निकले, शहरभर भ्रमण करते हुए वापस समारोह स्थल पर शोभायात्रा का समापन किया गया। अतिथियों द्वारा सेनजी महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर पूजन किया गया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में समाज के प्रतिभावान बच्चों द्वारा नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि रिकेश सेन विधायक वैशाली नगर द्वारा अपने उद्बोधन में सेन समाज के भवन निर्माण के लिए 10 लाख की सहायता राशि की घोषणा की गई।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

प्लस साइज मेल-फिमेल कांटेस्ट 27 से

रायपुर। जेसीआई रायपुर राइस सिटी द्वारा जोन IX एक्सेल प्लस साइज मेल-फिमेल मॉडलिंग इवेंट का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें उन मेल-फिमेल के बीच मॉडलिंग कांटेस्ट होगा, जो प्लस साइज हों। प्रतियोगिता 27 जून को वृंदावन हॉल सिविल लाइंस में होगी, जिसमें तीन राउंड में प्रतिभागी अपना हुनर दिखा सकेंगे।

बिजनेस साइट

अविनाश न्यू काउंटी प्रोजेक्ट में संडे-फंडे एक्टिविटी का आयोजन कल

रायपुर। जानी-मानी रीयल एस्टेट कंपनी अविनाश ग्रुप के नवा रायपुर, सेक्टर-30 स्थित अविनाश न्यू काउंटी प्रोजेक्ट में रविवार 19 मई को संडे-फंडे का आयोजन किया जा रहा है। जहां आप अपने पूरे परिवार के साथ इस प्रोजेक्ट पर विजिट कर इस एक्टिविटी का आनंद उठा सकते हैं।

इसमें बच्चों, कपल एवं बुजुर्गों हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ एक्टिविटी होगा, जिसके साथ ही बहुत सारे आकर्षक उपहार एवं पुरस्कार दिए जाएंगे। इस एक्टिविटी का समय शाम 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक होगा। अविनाश न्यू काउंटी में 2-3 बीएचके अपार्टमेंट के विकल्प मिलते हैं। जहां लगभग 500 से अधिक खुशहाल परिवार निवासरत हैं।

इसके साथ ही इस प्रोजेक्ट में आपको क्लब हाउस, स्वीमिंग पूल, जिम, मिनी थियेटर, स्क्वॉश कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, गेस्ट रूम के अलावा बहुत सारी सुविधाएं मिलती हैं। इस रविवार अविनाश न्यू काउंटी आकर आप भी इन एक्टिविटीज का आनंद ले सकते हैं एवं प्रोजेक्ट में स्पॉट बुकिंग कराने पर आकर्षक ऑफर भी पा सकते हैं।

सिपेट के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 2024-25 हेतु प्रवेश प्रारंभ

रायपुर। केंद्रीय पेट्रो-रसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) अध्ययन, शोध, विकास एवं औद्योगिक तकनीक उन्नयन के क्षेत्र में एक अद्वितीय संस्थान है। छत्तीसगढ़ राज्य में सिपेट के दो केंद्र स्थापित हैं, जिसमें राजधानी रायपुर और ऊर्जा राजधानी कोरबा सम्मिलित हैं। सिपेट में एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग, डिप्लोमा इन प्लास्टिक मोल्ड टेक्नोलॉजी तथा डिप्लोमा इन प्लास्टिक टेक्नोलॉजी के लिए सिपेट प्रवेश परीक्षा के द्वारा प्रवेश प्रारंभ है। प्रवेशार्थी ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट के माध्यम से कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 मई है।

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 18 मई 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

कैदियों को सबसे अधिक दिलचस्पी ....

एजूकेशन अपडेट

आरपीएफ में कॉन्स्टेबल-एसआई भर्ती के लिए भुगतान अब 20 तक

रायपुर। आरपीएफ में कॉन्स्टेबल और एसआई भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अपडेट जारी किया गया है। रेलवे भर्ती बोर्ड ने रेल मंत्रालय के अधीन रेलवे सुरक्षा बल में कॉन्स्टेबल (एग्जीक्यूटिव) और सब-इंस्पेक्टर (एग्जीक्यूटिव) के कुल 4660 पदों पर भर्ती के लिए निर्धारित आवेदन तिथियों को आगे बढ़ा दिया है। बोर्ड द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, कैंडिडेट्स रेलवे सुरक्षा बल की इस भर्ती के लिए आवेदन शुल्क का भुगतान 18 मई से 20 मई के बीच कर सकेंगे। उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि आरपीएफ ने कॉन्स्टेबल और एसआई भर्ती के लिए शुल्क भुगतान की तिथियों में विस्तार सिर्फ उन्हीं उम्मीदवारों के लिए किया है, जिन्होंने निर्धारित आखिरी तारीख 14 मई तक अपना पंजीकरण कर लिया था और तकनीकी समस्याओं के चलते निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यमों से नहीं कर सके थे। इन उम्मीदवारों को आरआरबी ने परीक्षा शुल्क भुगतान का एक और मौका दिया है।

ऐसे करें आवेदन शुल्क का भुगतान

ऐसे में जिन उम्मीदवारों ने आरपीएस कॉन्स्टेबल या एसआई भर्ती के लिए अपना पंजीकरण 14 मई तक किया है, वे अपने परीक्षा शुल्क का भुगतान करने के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी डिटेल के माध्यम से लॉग-इन करें। इसके बाद शुल्क भुगतान के लिंक पर क्लिक करके निर्धारित प्रक्रिया से उम्मीदवार शुल्क भर सकेंगे। बता दें कि रेलवे सुरक्षा बल कॉन्स्टेबल और एसआइ भर्ती के लिए अधिसूचना 15 अप्रैल को जारी की थी और इसके साथ ही आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो गई थी।

सिटी इवेंट

बच्चों संग मम्मियां भी सीख रहीं ललित कलाएं

रायपुर। नूतन उच्चतर माध्यमिक शाला में 1 मई से समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। 40 दिवसीय कैंप में निःशुल्क रुप से स्कूली बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। समर कैंप का मुख्य उद्देश्य गर्मियों की छुट्टी के दौरान बच्चों को मनोरंजन और विभिन्न कलाओं की शिक्षा देना है। इस दौरान महिलाओं के लिए मुख्य रुप से जूट और पॉट वर्क में सिलाई सिखाई जा रही है। साथ ही बच्चों के उत्तम भविष्य के लिए कैरियर गाइडेंस और योग प्रशिक्षण शिविर का संचालन किया जा रहा।

कॅरियर गाइडेंस क्लास में सर्वाधिक भीड़

शुक्रवार को कैंप के दौरान बच्चों की भारी संख्या में भीड़ देखने को मिली। इस दौरान बच्चे पेंटिंग और योग करते नजर आए। स्कूल परिसर में 10से अधिक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा, जिसमें बच्चों की भीड़ सुबह से बनी रहती है। समर कैंप में ब्लैक बेल्ट धारिणी ठाकुर द्वारा लड़कियों को कराटे ट्रेनिंग दी जा रही है। विनीता यादव द्वारा मेहंदी और सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। फोक डांस में बबिता और जानवी उपस्थित बच्चों को प्रशिक्षण दे रही हैं। कैंप में योग की क्लास सुबह 5:15 से 6:15 तक संचालित हैं एवं कॅरियर गाइडेंस की क्लास शाम 5 बजे से रात 8:45 तक संचालित हो रही है। सबसे अधिक प्रतिभागियों की संख्या इन दोनों पाली में रहते है।

लाइव इवेंट

नियम व कानून की जानकारी से सही निर्णय लेने में मदद

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी में जारी प्रशिक्षण में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने कहा, स्कूल शिक्षा विभाग में प्रशासनिक कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए संभाग व जिले के अधिकारियों का प्रशिक्षण आवश्यक है। ब्लॉक स्तर के अधिकारियों का भी प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। नियम व कानून पढ़ने पर ही सही निर्णय लिया जा सकता है। यदि अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत फाइल पर नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा तो काम तेजी से होगा और प्रगति दिखाई देगी। अधिकारियों को यह जानना भी आवश्यक है कि कौन, किस कार्य के लिए सक्षम है।

बनाए रखें वित्तीय प्रबंधन

लोक शिक्षण संचालक दिव्या मिश्रा ने कहा, प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग बेहतर तरीके से करेंगे। इससे योजनाओं को गति देने में आसानी होगी। प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर टीसी महावर ने कहा, विभाग के आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों से अनुशासन में रहकर नियमों का पालन किए जाने की अपेक्षा की। कार्यालय की प्रबंधन क्षमता व वित्तीय अनुशासन बनाए रखने का सुझाव दिया।

रंग संस्कार महोत्सव का शुभारंभ, पहले दिन हिंदी संग मराठी नाटक का मंचन

आदिगाथा... मैं वेदों में सामवेद हूं, देवों में इंद्र हूं, इंद्रियों में मन हूं और प्राणियों की चेतना अर्थात जीवन शक्ति हूं

श्रीमद्भगवद्गीता के 10वें अध्याय के 22वें श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण अपनी विभूतियों का वर्णन करते हुए कहते हैं 'मैं वेदों में सामवेद हूं, देवों में इंद्र हूं, इंद्रियों में मन हूं और प्राणियों की चेतना अर्थात जीवन शक्ति हूं। श्रीकृष्ण के ये कथन लोगों को शुक्रवार संध्या नाट्य मंचन के दौरान सुनने को मिले। 'आदिगाथा' नाटक मंचन के दौरान यह वाक्य कलाकारों द्वारा कहा गया।

रायपुर। रंगकर्मी स्व. अशोक चन्द्राकर के स्मृति में संस्कार भारती छत्तीसगढ़ द्वारा 'रंग संस्कार महोत्सव' का आयोजन किया गया जा रहा है। तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत शुक्रवार को शाम 6:30 बजे से की गई। इस दौरान दो नाटक 'आदिगथा'और 'इन्द्र धनु' का मंचन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन चौबे कॉलोनी स्थित महाराष्ट्र मण्डल के सभागार में किया गया। इस अवसर पर महोत्सव संयोजक योगेश अग्रवाल, प्रांत उपाध्यक्ष डॉ.योगेन्द्र चौबे, प्रांत अध्यक्ष रिखी क्षत्रीय, जिला अध्यक्ष डॉ.पुरुषोत्तम चन्द्राकर मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

ऐसी रही मराठी लघु नाटकों की कथा

1 रक्तदान

जब कोई व्यक्ति अपने जीवन में पहली बार रक्तदान करता है तो उसके मन में किस प्रकार के भाव उत्पन्न होते हैं, इसे नाटक के माध्यम से बताने का प्रयास किया गया। जिसमें एक महिला कठिनाई के साथ शिविर के दौरान रक्तदान के लिए तैयार होती है, जिसके बाद उनके चरित्र के बदलाव की प्रस्तुति दी गई।

2 विसंवाद

जिन बच्चों का पालन पोषण माता-पिता बचपन से करते हैं, जिन बच्चों के लिए वह सपने सजोते हैं, यदि वह बच्चे एक वक्त के बाद माता-पिता के साथ ही ना हो तो वह टूट से जाते हैं। प्रस्तुति के दौरान कलाकारों का अद्भूत प्रदर्शन देख दर्शक भी खुद को भावुक होने से रोक ना सके। इस नाटक में बुजुर्ग माता-पिता के जीवन का परिचय दिया गया, जिसमें उनके बच्चे विदेश में रहते है।

3 कलावंत

उम्र के साथ ही लोगों के विचारों में भी बदलाव देखा जाता है। प्रत्येक उम्र के लोग अपने अनुभव के साथ विचारों का प्रकट करते हैं। इस नाटक में पिता और बेटे के विचारों की प्रस्तुति दी गई, जिसमें बेटे की रुचि नाटक में देख पिता नाराज रहते हैं।

4 हरवलेली

आधुनिक समय में किसी व्यक्ति के प्रति विश्वास करना मुश्किल सा नजर आता है। यह नाटक विश्वास पर आधारित रहा, जिसमें एक नायिका और बच्ची के किरदार की प्रस्तुति दी गई। जिसमें दो अंजान व्यक्ति का एक-दूसरे के प्रति विश्वास का भाव बताया गया है।

5 तो पोरगा

जीवन में शिक्षा के लिए उम्र का अधिक होना जरुरी नहीं है। कोई व्यक्ति अपने उम्र और ज्ञान से अधिक ज्ञानी होता है, लेकिन कुछ अपने कार्यों से सम्मान के प्रात्र बन जाते हैं। तो पोरगा नाटक में एक बच्चे की कहानी बताई गई, जिमसें रोजाना एक बच्चा स्कूल के दौरान गार्डन जाता है और वहां अपने जेब में गार्डन का कचरा एकत्र करता है। जिसे रोजाना एक व्यक्ति देखता है और जानने की ललक से वह उसका पीछा करता है। अंत में वह देखता है कि वह बच्चा कचड़ा एकत्र कर कचरा पेटी में डालकर अपने स्कूल की ओर चला जाता है।

प्रस्तुतियों ने किया आनंदित

कलाकारों की प्रस्तुति देख दर्शक भी आनंदित हो उठे। प्रस्तुति के अंत तक वे अपनी सीट पर जमे रहे। नाटक के प्रमुख पात्र का किरदार नाटक के लेखक एवं निर्देशक वैभव किशोर ने निभाया। आदिगथा नाटक में नाट्य कला के शुरुआती दिनों से भारत मुनि के काल में एक शिष्य रूपदक्ष और उज्जैन की नर्तकी सुतनुका की प्रेम कहनी का वर्णन किया गया। इस दौरान राजा राजेश्वर का किरदार वैभव किशोर और सुतनुका का किरदार वंशिका एवं रूपदक्ष का किरदार प्रांजल राजपूत करती नजर आई। इस नाटक की प्रस्तुति में 25 लोगों ने अपनी भूमिका निभाई है।

भाषायी खूबसूरती

एक ही मंच में कई भाषाओं की प्रस्तुति से भाषायी खूबसूरती भी निखर कर आई। ना केवल हिंदी बल्कि मराठी भाषा में भी नाटक की प्रस्तुति दी गई। नाटक मंचन की शुरुआत हिंदी नाटक आदिगाथा से की गई। मंच पर कलाकारों ने 'इस संसार में हम सब प्राणी में ईश्वर के अंश है', 'राजा एक बार मृत्यु दंड देता है तो मैं तुम्हें मुत्यु दंड देता हूं', 'एक राजा राज्य का आत्मा होता है' जैसे उम्दा संवादों लोगों को सुनने मिले।

दो से तीन मिनट के 7 नाटक

इन्द्र धनु नाटक के दौरान कुल 7 विभिन्न नाटकों का मंचन किया गया। जिसमें आधुनिकता के व्यक्तिगत किस्सों को बताने की कोशिश की गई। इस नाटक के निर्देशक प्रसन्न निमोणकर और लेखर योगेश सोमण हैं, जिन्होंने मराठी भाषा में नाटक को तैयार किया। इस अवसर पर प्रत्येक नाटक की प्रस्तुति दो से तीन मिनट तक की गई, जिसके पश्चात कार्यक्रम के पहले दिन का समापन किया गया।

बहादुर बेटी, अपने हिस्से का स्वर्ग की प्रस्तुति आज

आज शनिवार को बहादुर बेटी, अपने हिस्से का स्वर्ग, कलंकार नाटक का मंचन किया जाएगा। सभी नाटकों की अवधि लगभग 30 मिनट तक रहेगी। बहादुर बेटी नाटक के निर्देशक अंशु प्रजापति और लेखक विष्णु प्रभाकर हैं। अपने हिस्से का स्वर्ग नाटक के निर्देशक आर्यन सारस्वत और लेखक प्रमोद यादव हैं। कलंकार नाटक के निर्देशक अर्जुन दास और लेखक नरेंद्र जलक्षत्रिय हैं। देर रात तक रोजाना नाटकों की प्रस्तुति दी जाएगी, जिसके लिए कलाकार लगभग 17 दिनों से प्रयास करते आ रहे हैं।

स्ट्रेचिंग से भी कर सकते हैं खुद को मजबूत, निजी संस्था निःशुल्क दे रही प्रशिक्षण

अपराध का शिकार होने से खुद को बचाएं छात्राएं, इससे आएगा आत्मविश्वास, मार्शल आर्ट का मतलब सिर्फ किक या मुक्का नहीं

कार्नर न्यूज

रायपुर। बढ़ते अपराध का शिकार स्कूली छात्र-छात्राएं न होने पाएं, इस दृष्टि से उनको आत्मरक्षा का गुर सिखाने के लिए हर साल की तरह इस बार की गर्मी में भी संभावना फाउंडेशन द्वारा उनके चहुंमुखी विकास के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें उन्हें ऑनलाइन की बजाय ऑफलाइन वर्किंग से जोड़ने के लिए जहां अलग-अलग गेम्स खिलाए जाते हैं, वहीं आते-जाते अपराध या होने वाले हमले से खुद की रक्षा करने के टिप्स दिए जा रहे हैं। छात्राओं को बताया जा रहा है कि किस तरह से वे अपने आप पर भरोसा हासिल कर सकती हैं।

हाथ पकड़े तो ऐसे छुड़ाएं

आम तौर पर विवाद की स्थिति में लोग हाथ पकड़ते हैं। इस ब्लॉकेज को तोड़ने के लिए हमला करने वाले को हल्का से सामने की ओर झटका दें, इससे उसके शरीर का बैलेंस बिगड़ने से हाथ छूट जाएगा। अगर कोई चेहरे पर या पेट में वार करता है, तो उसे अपने दोनों हाथों से वार को ब्लॉक करके खुद को चोट से बचा सकते हैं। इसी तरह के कई दांव-पेंच विगत एक मई से मार्शल आर्ट गुरु सिखा रहे हैं। इसे सिखने वाले छात्र-छात्राओं के बीच कैंप खत्म होने से पहले प्रतियोगिता करवाते हुए कैंप में वे कितने पारंगत हुए इसे परखने का प्रयास भी संस्था द्वारा किया जाएगा।

जब कोई हमला करें, तो उससे बचने के लिए प्रयास किस तरह से किया जा सकता है, इसका जवाब देने के लिए फाउंडेशन की संचालिका निलिमा यादव द्वारा इस गर्मी में भी पंकज गार्डन में समर कैंप व कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस बार भी मार्शल आर्ट गुरु शास्वत सोमवंशी द्वारा 6 से 18 साल के छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा का गुर सिखाया जा रहा है। छात्र-छात्राओं में इसे सिखने में रुचि को देखते हुए 10 जून तक निःशुल्क कैंप संचालित होगा।

प्रैक्टिस की आदत बनाए रखें

ट्रेनर ने बताया कि कैंप खत्म होने के बाद भी रोज प्रैक्टिस की आदत बनाए रखें। अगर इसमें कोताही बरतते रहे, तो किए गए अभ्यास का महत्व समाप्त हो जाएगा और खुद का आत्मविश्वास भी खत्म हो जाएगा। मार्शल आर्ट का अर्थ किसी को किक या मुक्का मारना ही नहीं है। इसके जरिए रोजाना पहले कम से कम 15 से 20 मिनट तक लगातार स्ट्रेचिंग करके खुद को मजबूत करें। विषम परिस्थितियों में खुद का बचाव करें और हमलावार के वार को ब्लॉक करते हुए उसका जवाब दें। इससे हमला करने वाले की शक्ति और आत्मविश्वास कम होगा। इस कला का उपयोग सिर्फ आत्मरक्षा के लिए करने का सबक सोमवंशी सिखा रहे हैं।

सिटी इवेंट

कैनवास पर जल, पेस्टल, स्याही चारकोल, तैल रंग से सजेंगी कृतियां

रायपुर। शहर के 50 जाने-माने युवा, महिला एवं बाल कलाकारों द्वारा मां पर आधारित कृतियों को शनिवार की शाम घड़ी चौक के पास स्थित महाकौशल कला वीथिका में सजाई जाएंगी। कैनवास पर जल, पेस्टल,स्याही, चारकोल और तैल रंग का इस्तेमाल करके बनाई गई पेंटिंग्स को लोग दो दिन प्रदर्शनी में अलग-अलग समय में देख सकेंगे। इस कला प्रदर्शनी का आयोजन हर साल की तरह महाकौशल कला परिषद एवं लायंस क्लब रायपुर फ्रेंड्स द्वारा किया जा रहा है। इसका शुभारंभ महाकौशल कला वीथिका में 18 मई की शाम 5.30 बजे किया जाएगा। उद्घाटन डॉ.दिनेश मिश्रा, डॉ. केबी शर्मा, सुमनेश कुमार वत्स द्वारा सामूहिक रूप से किया जाएगा।

प्रदर्शनी में सजेंगी 50 रचनाएं

इस कला प्रदर्शनी में प्रदेश के 50 कलाकारों की लगभग 50 रचनाएं प्रदर्शित की जाएगी। इसे कला प्रेमी शनिवार शाम 7.30 बजे तक एवं रविवार सुबह 9 बजे से 11 बजे तक महाकौशल कला वीथिका में देख सकेंगे। इस कला प्रदर्शनी में हर वर्ग के कलाकारों द्वारा तैयार की गई रचनाओं को सजाया जाएगा, ताकि ड्राईंग-पेंटिंग में रुचि रखने वालों का हौसला बढ़ा सके। हर साल की तरह ही इस बार भी थीम विशेष पर आधारित कृतियों को दर्शकों के लिए सजाया जाएगा।

● जेल में ओपन बोर्ड से लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल, संस्कृत विद्यामंडल और रविवि की भी परीक्षाएं

कैदियों को सबसे अधिक दिलचस्पी हिंदी और समाजशास्त्र के अध्ययन में गणित से बनाते हैं दूरी, कॉलेज के अधिकतर छात्रों ने चुना कला संकाय

माध्यमिक शिक्षा मंडल से लेकर विविध बोर्ड द्वारा अपने परीक्षा परिणामों की घोषणाएं मई माह में की जा रही हैं। ना सिर्फ स्कूल बल्कि विश्वविद्यालय भी वार्षिक परीक्षाओं के परिणाम जारी कर रहा है। सभी परीक्षाओं में जिले के छात्र अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ना सिर्फ जिले के छात्र बल्कि कैदियों का भी इन परीक्षाओं में प्रदर्शन बेहतर रहा है और वे मन लगाकर अध्ययन कार्य कर रहे हैं।

रायपुर। रायपुर स्थित केंद्रीय जेल में सजा काट रहे कैदियों के मन में शिक्षा का अलख जगाने का कार्य जेल प्रबंधन सहित कई संस्थाओं द्वारा नियमित रूप से किया जाता है। इसका असर भी अब दिखने लगा है। पिछले कई वर्षों में अध्ययन-अध्यापन कार्य में शामिल कैदियों की संख्या बढ़ी है। जेल प्रबंधन भी उनका सहयोग कर रहा है ताकि वे सजा काटकर निकलने के बाद अपने आगे का जीवन बेहतर तरीके से गुजार सकें।

गणित में अब तक सिर्फ दो छात्र

ना सिर्फ आम छात्र बल्कि कैदी भी गणित से डरते हैं। पिछले दस वर्ष में गणित से मास्टर की उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या मात्र दो ही है। इन छात्रों ने एमएससी गणित किया था। हालांकि दसवीं की परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को अनिवार्य रूप से गणित का अध्ययन करना होता है। इसके लिए उन्हें तैयारी भी करवाई जाती है।

मिलती है अलग यूनिफॉर्म

बीते दिनों संस्कृत विद्यामंडलम द्वारा परीक्षा परिणामों की घोषणा की गई। इसमें भी बड़ी संख्या में कैदियों ने हिस्सा लिया, उनका प्रदर्शन भी अच्छा रहा। संस्कृत बोर्ड का परिणाम 98 प्रतिशत रहा है। छठवीं से बारहवीं कक्षा तक 81 छात्र इस परीक्षा में शामिल हुए। गौरतलब है कि केंद्रीय जेल में संस्कृत बोर्ड से अध्ययन करने वाले छात्रों की सुबह नियमित कक्षाएं लगती हैं। इन छात्रों को पृथक से यूनिफॉर्म भी उपलब्ध कराए गए हैं। पढ़ाई के दौरान कैदी यूनिफॉर्म पहनते हैं तथा शेष समय वे जेल की पोशाक में रहते हैं। कैदी संस्कृत विषय में विशेष रूप से हिस्सा लेते हैं। उनके द्वारा वेदों का ज्ञान हासिल करने के साथ ही प्राचीन शिक्षा पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है।

कॉलेज में हैं 112 छात्र, 65 वर्षीय कैदी भी

स्कूली परीक्षाओं के साथ इस बार बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने स्नातक और स्नातकोत्तर की भी परीक्षाएं दिलाई हैं। स्नातकोत्तर की परीक्षा में 30 कैदी छात्र शामिल हुए हैं। अधिकतर छात्रों ने पोस्ट ग्रेज्यूएशन के लिए कला संकाय का चुनाव किया है। वहीं ग्रेज्यूएशन करने के लिए वे बीए सहित बीकॉम का भी चयन कर रहे हैं। परीक्षा में शामिल हो रहे कैदियों में कई ऐसे भी हैं, जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है। उम्र के इस पड़ाव में भी शिक्षा के प्रति उनका रूझान कम नहीं हुआ है। इस बार परीक्षा में शामिल हो रहे सबसे उम्रदराज कैदी की आयु 65 वर्ष है।

ओपन बोर्ड में शामिल हुए 86 छात्र

बीते दिनों ओपन बोर्ड द्वारा भी परिणामों की घोषणा की गई। इसमें कैदी भी शामिल हुए थे। 10वीं कक्षा की परीक्षा में 46 तथा 12वीं कक्षा की परीक्षा में 40 कैदी शामिल हुए। कैदियों के लिए परीक्षा केंद्र जेल में ही बनाया जाता है। मॉनिटरिंग के लिए विशेष रूप से जिला शिक्षा कार्यालय की टीम आती है। नकल या किसी अनुचित साधनों के प्रयोग की कोई गुंजाइश नहीं होती है।

विज्ञान विषय की अनुमति नहीं

जेल में अध्ययन करने वाले कैदियों को उन विषयों को चुनने की आजादी नहीं रहती है, जिसमें प्रायोगिक कार्य शामिल रहते हैं। जेल में प्रैक्टिकल के लिए लैब की सुविधा नहीं होती है। कैदियों को बाहर जाने की छूट नहीं है। उन्हें समस्त प्रकार का अध्ययन कार्य जेल में रहकर ही करना होता है। इस कारण वे विज्ञान संकाय नहीं चुन सकते हैं। बारहवीं तथा कॉलेज में कैदियों को लैब संबंधित विषयों के अलावा अन्य विषयों का चयन करना होता है।

समाजशास्त्र में स्वयं का अध्ययन

केंद्रीय जेल के अध्ययन प्रभारी नेतराम नागतोड़े के अनुसार, कैदियों का प्रिय विषय समाजशास्त्र है। इसमें वे समाज की अधोसंरचना, उनके सिद्धांत, व्यवहार और अन्य तथ्यों की जानकारी हासिल करते हैं। एक हिस्सा उनसे भी संबंधित होता है, इसलिए वे इसे अत्यधिक रुचि के साथ पढ़ते हैं। कला संकाय के अंतर्गत एमए करने वाले कैदी इसका चुनाव प्रमुखता से करते हैं। इसके अलवा स्नातक स्तर पर बीए में भी विद्यार्थी इस विषय को चुनते हैं।

कैंपस लाइव

ट्रिपलआईटी स्टूडेंट्स ने जाना कैसे करें डेटा साइंस का प्रयोग

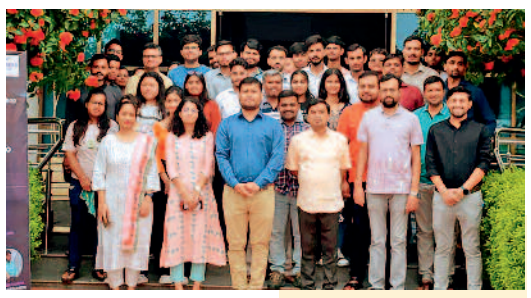

रायपुर। ट्रिपलआईटी में डेटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग के विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। सात दिवसीय कार्यक्रम में 'मल्टी टास्क मेटा-लर्निंगः अनदेखे कार्यों को कैसे अपनाएं' विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया है, जिसका समापन 24 मई को होगा। यह आयोजन भारत सरकार द्वारा आयोजित 'एक्सीलेरेट विज्ञान योजना' के तहत कार्यशाला विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड द्वारा प्रायोजित है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं को नवाचार और अनुसंधान का माहौल प्रदान करना हैं। संस्थान के विद्यार्थियों को कई तरह की जानकारियां इसके माध्यम से प्रदान की गई।

देशभर से पहुंचे प्रतिभागी

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के शिक्षण प्रतिमान जैसे मल्टी-टास्क लर्निंग, मेटा लर्निंग, ट्रांसफर लर्निंग और डीप लर्निंग से परिचित कराना है। कार्यशाला में एनआईटी मिजोरम, एनआईटी आंध्र प्रदेश, केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान जैसे देश के विभिन्न विश्वविद्यालय से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया है। रजिस्ट्रार प्रो. केजी श्रीनिवास, डेटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अवंतिका सिंह, डॉ. शैलेश खापरे, गौरव शर्मा, मयंक लोवंशी, उर्मिला, नीलांजन मित्रा, सिद्धार्थ कुमार कार्यशाला के दौरान मुख्य रुप से शामिल रहे।

एजूकेशन अपडेट

यूपीएससी में प्रोफेसर व प्रबंधक के लिए भर्ती, 30 तक आवेदन

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से 83 रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती निकाली गई है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो 30 मई तक जारी रहेगी। योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थी इस भर्ती में शामिल होने के लिए तय तिथियों में ऑनलाइन माध्यम से फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन से पहले उम्मीदवार विभिन्न पदों के लिए निर्धारित पात्रता अवश्य जांच कर लें। ऑनलाइन माध्यम से यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in पर जाकर एप्लीकेशन फॉर्म भर सकते हैं। रिक्त पदों में मार्केटिंग अधिकारी के 33 पद, ट्रेनिंग ऑफिसर के 16 पद, सहायक अनुसंधान अधिकारी के 15 पद, सहायक खनन अभियंता के 7 पद, सह-प्राध्यापक के 2 पद, सहायक आयुक्त के 1 पद, परीक्षण अभियन्ता के 1 पद, वैज्ञानिक अधिकारी के 1 पद, कारखाना प्रबंधक के 1 पद सहित विभिन्न विषयों के प्रोफेसर्स के पद शामिल हैं।

इस तरह करे आवदेन

इस भर्ती में आवेदन के लिए अभ्यर्थी को सबसे पहले पोर्टल **upsconline.nic.in** पर क्लिक करना होगा। अब यहां आपको पहले रजिस्ट्रेशन फॉर्म पर क्लिक करके पंजीकरण करना होगा। रजिस्ट्रेशन होने के बाद अभ्यर्थी अन्य डिटेल भरकर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। अंत में उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क जमा करना है और पूर्ण रूप से भरे हुए फॉर्म का एक प्रिंटआउट निकालकर सुरक्षित रख लेना है। इस भर्ती में शामिल होने के लिए अन्य सभी श्रेणियों 25 रुपये एप्लीकेशन फीस के रूप में भुगतान करना होगा। शुल्क ऑनलाइन माध्यम से जमा किया जा सकता है। एससी, एसटी, दिव्यांग श्रेणी से आने वाले अभ्यर्थी इस भर्ती में शामिल होने के लिए निशुल्क आवेदन कर सकते हैं।

● चंदन यात्रा के सातवें दिन राधा रास बिहारी में मनाया गया उत्सव

कृष्ण जन्मोत्सव की तर्ज पर सीता नवमी 101 किलो गुलाब पंखुड़ियों की वर्षा

रायपुर। टाटीबंध स्थित इस्कॉन राधा रास बिहारी में सीता नवमी का पर्व मनाया गया। यह आयोजन मंदिर के अध्यक्ष सिद्धार्थ स्वामी महाराज के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान शुक्रवार को सीता नवमी पर मंदिर परिसर में भव्य आयोजन किया गया। यह उत्सव चंदन यात्रा के सातवें दिन मनाई गई, जिसमें श्रीराम और माता सीता के विग्रह का अभिषेक किया गया। सीता जन्मोत्सव पर मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा, जिसमें भगवान के दर्शन मात्र के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार नजर आई। भगवान के विग्रह का चंदन और विभिन्न मौसमी फलों के रस से अभिषेक किया गया। इस दौरान पंचामृत में लगातार प्रतिमाओं का अभिषेक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान शहर सहित दुर्ग, जगदलपुर, धमतरी, बिलासपुर जैसे अन्य स्थानों से भी श्रद्धालु मौजूद रहे। सुबह से आयोजन कार्यक्रम में लगभग 200 से अधिक भक्तों की भीड़ देखने को मिली। इस दौरान मंदिर के अध्यक्ष सिद्धार्थ स्वामी महाराज, कृष्ण दास, सुलोचन दास, मिथिलापति दास, रघुपति दास, राम जानकी, माधव प्रिया, हरी प्रिया संग अनेक गण उपस्थित रहे।

56 भोग की प्रसादी

इस्कॉन मंदिर प्रांगण में भगवान के भोग स्वरुप 56 भोग की प्रसादी तैयार की गई। जिसमें पकवान एवं मिठाई भेट स्वरुप अर्पित की गई। मंदिर में श्रीराम व माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान की प्रतिमा विराजमान है। प्रत्येक सीता जन्मोत्सव के दौरान धूमधाम से उत्साह मनाया जाता है। इस अवसर पर मूर्तियों का भव्य श्रृंगार किया गया, जिसमें राजा स्वरुप श्री राम और रानी स्वरुप माता सीता की प्रतिमा देखने को मिली।

फलों से सजाया गया मंदिर परिसर

मंदिर परिसर में मौजूद मुख्य पुजारियों द्वारा पूजा-अर्चना की गई। जन्मोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र गुलाब की पंखुड़ियां रही। श्रीराम और मां सीता की प्रतिमाओं पर 101 किलो गुलाब की पंखुड़ियों के साथ पुष्प वर्षा की गई। श्री कृष्ण जन्मोत्सव की तर्ज पर मंदिर परिसर को फलों से सजाया गया, जिमसें रंग-बिरंगे फूलो के साथ श्री कृष्ण की प्रतिमा का भी भव्य श्रृंगार किया गया।

अग्रसेन महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी

देर रात तक जागने से तनाव योग से मिलेगी मानसिक ऊर्जा

रायपुर। अग्रसेन महाविद्यालय में योग विभाग तथा आईक्यूएसी द्वारा संयुक्त रूप से "आधुनिक जीवन शैली और योग की उपादेयता" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन योग के विभिन पहलुओं पर चर्चा की गई। मैट्स विश्वविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ.सुनील कुमार मिश्रा ने कहा, आज के जीवन में व्यक्ति देर तक जागने और देर से सोने सहित खान-पान की अनियमितता और तनाव का शिकार है। इन सब गलतियों से शरीर और मस्तिष्क को बचाए रखने में योग ही सबसे अनुकूल और प्रभावी समाधान है। पुराने समय की जीवन शैली में प्रकृति के साथ रहने की आदत को लाभकारी बताते हुए कहा कि तब योग ही लोगों के लिए उनके रोज के कामकाज का हिस्सा था, इसलिए बीमारियां बहुत कम होती थीं।

योग ही बनात है शरीर को ऊर्जावान

पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय में योग पाठ्यक्रम की समन्वयक श्वेता कुर्रे ने कहा कि महिलाओं को आज के समय में नौकरी के साथ-साथ घर कि जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है। इस वजह से उन्हें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से दिनभर बहुत दबाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे में योग ही उन्हें शांति और स्थिरता प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा, काम की अधिकता में भी शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए योग का नियमित अभ्यास आवश्यक है।

शरीर और मन रहेगा निरोगी

महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष तथा महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ.वीके अग्रवाल ने कहा, योग से हमारा शरीर और मन निरोगी रहता है, इसलिए आज के समय में बच्चों को प्रारंभ से योग अभ्यास करना चाहिए। महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के सचिव तथा महाविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटर एवं वाणिज्य संकाय प्रमुख डॉ. अमित अग्रवाल ने योग विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी को विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरक बताया। आभार प्रदर्शन करते हुए प्राचार्य डॉ.युलेन्द्र कुमार राजपूत ने योग विशेषज्ञों की चर्चा को सारगर्भित बताते हुए कहा कि योग ने अनेक लोगों को अनेक प्रकार के असाध्य रोगों से बचाया है।

कार्नर न्यूज

● 2 जून तक रहेगा नौतपा, इस दौरान सूर्य रहता है पृथ्वी के सर्वाधिक नजदीक

शुक्र और गुरू अस्त, इसलिए इस बार प्रभाव कम, 25 मई को दोपहर 3:17 बजे सूर्य करेगा कृतिका से रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश

इस बार नौतपा 25 मई से शुरू होगा और 2 जून तक रहेगा। 25 मई को 3:17 पर सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने के साथ ही नौतपा का शुभारंभ हो जाएगा। कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को सूर्य ग्रह का प्रवेश कृतिका से रोहिणी नक्षत्र में होगा और 8 जून तक वह इसी नक्षत्र में रहेंगे।

सूर्य देव की करें पूजा

ऐसी मान्यता है कि इस समय सूर्य देव की पूजा करने से इस अवधि से सुरक्षा प्राप्त होती है। साथ ही बढ़ते तापमान से अपने परिवार को बचाया जा सकता है। इसके अलावा कुछ पूजा अनुष्ठान जीवन में सुख और समृद्धि लाते हैं। नौतपा के समय में पानी, दही, दूध, नारियल पानी और अन्य ठंडी चीजों का सेवन करने के साथ इनका दान भी करना चाहिए। इससे सूर्य देव प्रसन्न होते हैं।

रायपुर। इन दिनों के प्रथम 9 दिन को नौतपा माना जाता है। इस दौरान सूर्य की किरणें धरती पर सीधी पड़ती हैं।ज्योतिष विज्ञान के अनुसार, इस बार शुक्र व गुरु का तारा अस्त होने से इसका प्रभाव कम रहेगा। इस दौरान सूर्य, पृथ्वी के सर्वाधिक नजदीक होता है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, यदि नौतपा के सभी दिन पूरे तपें तो यह अच्छी बारिश के संकेत माने जाते हैं। रोहिणी नक्षत्र का अधिपति ग्रह चंद्रमा होता है। सूर्य तेज और प्रताप का प्रतीक माना जाता है, जबकि चंद्र शीतलता का प्रतीक होता है। सूर्य जब चंद्र के नक्षत्र रोहिणी में प्रवेश करते हैं तो सूर्य इस नक्षत्र को अपने प्रभाव में ले लेता है। इस कारण शीतलता कम हो जाती है और तपन महसूस होती है।

नौतपा को माना जाता है मानसून का गर्भकाल

ऐसा माना जाता कि सूर्य की गर्मी और रोहिणी के जल तत्व के कारण मानसून का गर्भकाल आ जाता है। इसी कारण नौतपा को मानसून का गर्भकाल माना जाता है। ऐसे में जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है तो उस समय चंद्रमा नौ नक्षत्रों में भ्रमण करते हैं। शुरुआत के पांच दिनों के बाद आंधी-वर्षा योग बनने से नौतपा खंडित होगा। यह संयोग आगामी वषार्काल को प्रभावित करने के योग बनाएगा।

सिटी स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों को वितरण किया तीरंदाजी उपकरण

रायपुर। केन फिन होम्स लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष कैलाश मुरारका की उपस्थिति में लगभग 12 लाख रुपए के तीरंदाजी के खेल सामग्री का वितरण एकलव्य आदर्श विद्यालय भोरिंग के तीरंदाजी खिलाड़ियों को किया गया। इस अवसर पर महासमुंद के पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, उद्योगपति एवं महावीर इंटरनेशनल के महासचिव लोकेश कावड़िया, जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष डॉ. विकास अग्रवाल एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित थे। प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मुरारका ने तीरंदाजी की तकनीकी बारीकियों से खिलाड़ियों को अवगत कराया व जिले की उपलब्धियां अतिथियों के समक्ष रखी। इस अवसर पर तीरंदाजी प्रशिक्षक एवन कुमार साहू एवं लगभग 15 तीरंदाज उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिले के अध्यक्ष डॉ. विकास अग्रवाल ने किया।

क्या इंटरनेट को मानते हैं डॉक्टर, तो आप भी है 'इडियट सिंड्रोम' का शिकार

इन दिनों लोगों के बीच इंटरनेट का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। लोग हर छोटी-बड़ी जानकारी के लिए सबसे पहले इंटरनेट का ही सहारा लेते हैं। इतना ही नहीं अपना नॉलेज बढ़ाने के साथ ही लोग अपनी हेल्थ की जानकारी लेने तक के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। आजकल लोगों में इंटरनेट को भी डॉक्टर बना लिया है और अपनी सेहत में होने वाले किसी भी तरह के बदलाव के लिए डॉक्टर के बजाय इंटरनेट के पास जाते हैं। इस तरह की आदत अब आपके लिए हानिकारक साबित हो सकती है। इंटरनेट पर अपनी बीमारी का निदान करने की आदत की वजह से लोग 'इडियट सिंड्रोम' का शिकार हो सकते हैं। बीते कुछ समय से इसके मामलों में काफी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। आइए जानते हैं क्या इस सिंड्रोम के बारे में सबकुछ-

यह है इडियट सिंड्रोम

इडियट का मतलब इंटरनेट डिराइव्ड इंफॉर्मेशन ऑब्सट्रक्शन ट्रीटमेंट है। यह एक ऐसी स्थिति है, जहां आसानी से उपलब्ध ऑनलाइन जानकारी सही मेडीकल ट्रीटमेंट में बाधा डालती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के जर्नल क्यूरियस में प्रकाशित एक अध्ययन इस मुद्दे पर प्रकाश डालता है। इडियट सिंड्रोम का शिकार वाले मरीज अक्सर इंटरनेट सर्च के आधार पर खुद ही बीमारी का पता लगाते हैं, जिससे वे या तो सही इलाज नहीं करवा पाते हैं या खुद ही इलाज कर हानिकारक परिणामों का शिकार हो जाते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि इंटरनेट हेल्थ से जुड़ी समस्याओं में आपके लिए मददगार साबित नहीं हो सकता है।

यह कहता है डब्ल्यूएचओ

डब्ल्यूएचओ इसे 'इन्फोडेमिक' कहता है, जिसने स्वास्थ्य सेवा में एक मुश्किल हालात पैदा कर दिए हैं, क्योंकि इसने बीमारी के प्रकोप के दौरान डिजिटल और फिजिकल वातावरण में बहुत ज्यादा जानकारी पैदा कर दी है और स्वास्थ्य अधिकारियों में अविश्वास पैदा हो गया है।

लोगों को ऐसे प्रभावित करता है यह सिंड्रोम

आईडीआईओटी सिंड्रोम के मनोवैज्ञानिक प्रभाव गंभीर हैं। यह एक ऐसी मानसिकता को जन्म दे सकता है, जिसमें मरीज चिकित्सा और चिकित्सकों पर अविश्वास करना शुरू कर देते हैं और खुद अपना ट्रीटमेंट करना चुनते हैं। यह सोच और आदत पहले से किसी बीमारी का शिकार लोगों के ट्रीटमेंट में बाधा डाल सकता है, जिससे मरीज की हालात गंभीर रूप से खराब हो सकती है।

इडियट सिंड्रोम के नकारात्मक प्रभाव

भले ही इंटरनेट स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का खजाना हो सकता है, लेकिन अगर आप लगातार खुद के लक्षणों के बारे में जानकारी खोजते रहेंगे, तो यह चिंता और तनाव का कारण भी बन सकता है। साइबरकॉनड्रिया या आईडीआईओटी सिंड्रोम, आपके लक्षणों की गलत जानकारी दे सकता है और यह मानने पर मजबूर कर सकता है कि आपको कोई गंभीर बीमारी है, असल में है ही नहीं। आपको ऑनलाइन जो मिलेगा उसके डर से आप देरी कर सकते हैं या मेडीकल हेल्प लेने से बच सकते हैं, जो शीघ्र निदान और उपचार के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। साइबरकॉनड्रिया आपको ऑनलाइन जानकारी के आधार पर दवाएं बंद करने या बदलने के लिए प्रेरित कर सकता है, जो खतरनाक हो सकता है और स्वास्थ्य पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

अक्सर कर दिया जाता है इन्हें अनदेखा

ऐसे लक्षण भी हो सकते हैं लिवर कैंसर का संकेत

लिवर हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। रक्त में रासायनिक स्तरों को संतुलित करने, भोजन को पचाने के लिए पित्त नामक उत्पाद का उत्सर्जन करने और शरीर से अपशिष्टों को बाहर निकालने के लिए लिवर का ठीक तरीके से काम करते रहना जरूरी है। हालांकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण लिवर से संबंधित गंभीर रोग और कैंसर के मामले पिछले एक दशक में काफी तेजी से बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं। अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार बड़ी संख्या में युवा आबादी भी लिवर कैंसर जैसी जानलेवा समस्याओं का शिकार हो रही है। डॉक्टर कहते हैं, अगर समय रहते इस कैंसर के लक्षणों का पता लगाकर इलाज प्राप्त कर लिया जाए तो रोग के गंभीर रूप लेने और मृत्युदर को कम करने में मदद मिल सकती है। लिवर कैंसर के कुछ लक्षण बहुत अप्रत्याशित होते हैं जिनपर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता है। लिवर कैंसर की पहचान ऐसे की जा सकती है।

लिवर में कैंसर की समस्या

लिवर कैंसर की पहचान कैसे की जाए इसे जानने से पहले इस अंग में होने वाले कैंसर के बारे में जानना जरूरी है। लिवर में कई प्रकार के कैंसर हो सकते हैं, हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा उनमें सबसे आम है जो मुख्य रूप से लिवर की कोशिकाओं (हेपेटोसाइट) में शुरू होता है। डॉक्टर बताते हैं, लिवर कैंसर के शिकार कई लोगों में शुरुआत में कोई भी लक्षण नजर नहीं आते हैं। हालांकि समय के साथ जैसे-जैसे कैंसर बढ़ता है, लक्षण भी गंभीर रूप लेने लगते हैं।

पेट में होने वाली समस्याएं

लिवर में होने वाली बीमारियों-कैंसर के शुरुआती लक्षण पेट में होने वाली असहजता के रूप में नजर आते हैं। इसमें पेट में दाहिनी ओर दर्द होना सबसे आम है। आमतौर पर इस तरह के दर्द को गैस के कारण होने वाला दर्द मान लिया जाता है। पेट में दर्द के साथ-साथ अगर पेट में सूजन और अक्सर उल्टी-मितली की समस्या बनी रहती है तो इस बारे में गंभीरता से ध्यान देना जरूरी हो जाता है। ये भी कैंसर का संकेत हो सकता है।

लिवर कैंसर के इन संकेतों के बारे में भी जानिए

लिवर कैंसर के अधिकांश लक्षण पेट में होने वाली कई अन्य समस्याओं की तरह ही होते हैं। यही कारण है कि इसकी पहचान कर पाना लोगों के लिए कठिन हो जाता है। पेट में होने वाली समस्याओं और पीलिया के अलावा कुछ और संकेतों पर ध्यान देकर भी लिवर की इस गंभीर बीमारी का पता लगाया जा सकता है।

बिना प्रयास किए वजन कम होना

भूख न लगना, अक्सर कमजोरी होते रहना।

अक्सर उल्टी जैसा अनुभव होते रहना।

कमजोरी और थकान।

पेट में सूजन बने रहना।

पीलिया की दिक्कत

लिवर में होने वाली बीमारियों और कैंसर में भी बार-बार पीलिया होना एक सामान्य संकेत हो सकता है। रक्त प्रवाह में बिलीरुबिन की मात्रा काफी बढ़ जाने के कारण पीलिया होती है। इसमें त्वचा और आंखों का सफेद भाग पीला दिखाई देने लगता है। डॉक्टर बताते हैं, लिवर के ठीक तरीके से काम न करने की स्थिति में इस तरह की दिक्कत होती है। अगर आपको भी बार-बार पीलिया हो रहा है तो इसपर गंभीरता से ध्यान दिया जाना जरूरी है।

नए घर में शिफ्ट होने के पहले जरूर जान लें वास्तु के नियम

नया घर, नई शुरुआत! लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि नए घर में वास्तु के अनुसार प्रवेश करना चाहिए? नए घर में प्रवेश करना हर किसी के जीवन का एक खूबसूरत सपना होता है, ये समय किसी भी इंसान के जीवन का बहुत किमती और यादगार पल होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार गृह प्रवेश करते समय कुछ बातों का जरूर ध्यान जरूर रखना चाहिए। माना जाता है कि वास्तु के नियमों का पालन करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और सुख-समृद्धि आती है। अक्सर ऐसा होता होता है कि नए घर में प्रवेश करते समय बहुत से लोग वास्तु के नियमों का पालन नहीं करते हैं। ऐसा करने से वास्तु दोष लग सकता है जिसका असर आपके परिवार के सदस्यों पर पड़ सकता है। अगर आप भी जल्द ही किसी नए घर में शिफ्ट होने की तैयारी कर रहे हैं, तो इन 5 महत्वपूर्ण वास्तु नियमों का ध्यान जरूर रखें।

मुख्य द्वार के दिशा का चुनाव

वास्तु के अनुसार, घर का मुख्य द्वार ईशान कोण या उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए। मुख्य द्वार के लिए शुभ दिशा माना जाता है। इसलिए, यदि संभव हो तो, कोशिश करें कि घर का मुख्य द्वार इसी दिशा में हो। अगर ऐसा नहीं हो पाता है तो पूरब या पश्चिम की ओर भी कर सकते हैं।

गृह प्रवेश की शुभ मुहूर्त

गृह प्रवेश की सही तारीख और समय का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शुक्ल पक्ष के दिन, गुरुवार, शुक्रवार या रविवार को गृह प्रवेश करना शुभ माना जाता है। मगर फिर भी गृह प्रवेश का शुभ मुहूर्त के लिए किसी ज्ञानी ज्योतिषी से संपर्क करना चाहिए।

पूजा-पाठ का महत्व

पूजा-पाठ हमेशा घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। नए घर में प्रवेश करने से पहले, पूजा-पाठ करना जरूरी होता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। इसलिए घर में सुख-शांति के लिए गृह प्रवेश के समय पूजा-पाठ का आयोजन जरूर करना चाहिए।

वास्तु दोषों का निवारण

अगर आपके नए घर में कोई वास्तु दोष है, तो उसे दूर करना जरूरी होता है। वास्तु विशेषज्ञ की सलाह लेकर आप इन दोषों का निवारण कर सकते हैं। इससे भविष्य में आने वाली समस्याएं कम होती हैं।

स्वच्छता और सुव्यवस्था

नए घर को हमेशा साफ सुथरा रखने से ही मां लक्ष्मी अपनी कृपा बनाए रखती हैं। वास्तु के अनुसार भी नए घर में प्रवेश से पहले हमेशा उसे साफ, स्वच्छ और व्यवस्थित रखें। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल लेवल से लेकर वजन घटाने में रामबाण

सब्जियों में काफी लोग भिंडी का सेवन करना पसंद करते हैं। बच्चों को भी ये सब्जी खूब भाती है। भिंडी में कई पोषक तत्व होते हैं जो सेहत को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं। क्या आप जानते हैं कि भिंडी का पानी पीना भी काफी हेल्दी होता है। भिंडी वाला पानी आप आसानी से बना सकते हैं। भिंडी में एंटीऑक्सीडेंट्स, मैग्नीशियम, कैल्शियम, फोलेट, फाइबर, विटामिन सी, बी कॉम्प्लेक्स आदि से भरपूर होती है जो हार्ट हेल्थ सही रखती है। इम्यूनिटी बूस्ट करती है। डायबिटीज में ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करती है। चलिए जान लेते हैं भिंडी का पानी पीने के क्या फायदे होते हैं।

एंटीऑक्सीडेंट्स से होता है भरपूर

एक खबर के अनुसार, भिंडी में कई महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो भिंडी के पानी में भी पाया जा सकता है। ये तत्व इंफ्लेमेशन को कम कर सकते हैं और फ्री रैडिकल्स से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स कई तरह की क्रोनिक डिजीज जैसे कैंसर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज से बचा सकता है।

वजन करे कम

भिंडी में मौजूद कई कम्पाउंड वजन कम करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। भिंडी के पानी में कैलोरी नहीं होती है। यदि आप कैलोरी कंट्रोल डाइट लेना चाहते हैं तो भिंडी का पानी ले सकते हैं। फाइबर पेट को देर तक भरे होने का अहसास कराता है, ऐसे में आप अधिक खाने से बचे रहते हैं। यह आपको हाइड्रेटेड रहने में मदद कर सकता है। अधिक पानी पीने से वजन कम हो सकता है। अस्थायी रूप से आपका चयापचय यानी मेटाबॉलिज्म बढ़ सकता है।

कब्ज करे दूर

भिंडी के पानी में डायटरी फाइबर काफी होता है, जिसमें सॉल्युबल फाइबर अधिक होता है। यह पानी में घुल जाता है और डाइजेस्टिव सिस्टम में जेल की तरह पदार्थ बनाता है। फाइबर के कई लाभ होते हैं। यह बाउल मूवमेंट को रेगुलेट करे। कब्ज की समस्या करे दूर. गट को हेल्दी रखे। पाचन तंत्र यदि दुरुस्त ना हो तो पूरी सेहत खराब बनी रहती है। भिंडी का पानी पीने से डाइजेस्टिव सिस्टम दुरुस्त रहता है। इसमें मौजूद सॉल्युबल फाइबर कंटेंट पाचन तंत्र को स्वस्थ और हेल्दी रखता है। भिंडी का पानी पीने से दिल की सेहत पर भी पॉजिटिव असर होता है। इसमें हाई सॉल्युबल फाइबर कंटेंट होता है, जो टोटल कोलेस्ट्रॉल और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल लेवल को घटाता है। हार्ट डिजीज से बचने के लिए आप भिंडी का पानी पी सकते हैं।

ब्लड शुगर लेवल करे कंट्रोल

भिंडी का पानी आप डायबिटीज होने पर पी सकते हैं। इससे शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकता है। प्रीडायबिटिक हैं तो भी आप ये पानी जरूर पिएं, इससे कोई नुकसान नहीं होगा. भिंडी में सॉल्युबल फाइबर होता है, इसलिए आपको ये लाभ पहुंचा सकता है।

बहुत फायदेमंद होते हैं अलसी के बीज

गर्मियों में इसका सेवन करना चाहिए या नहीं?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आहार विशेषज्ञ नट्स और सीड्स का सेवन करने की सलाह देते हैं। कुछ फलों-सब्जियों के बीज (सीड्स) में भरपूर पोषक तत्वों की मात्रा पाई जाती है जिनके सेवन से न सिर्फ आप कई प्रकार की बीमारियों से बचे रह सकते हैं साथ ही ये आपको लंबी और स्वस्थ आयु प्राप्त करने में भी मदद करते हैं। अध्ययनों में अलसी के बीज को बहुत फायदेमंद बताया गया है। अलसी के बीज में प्रोटीन, फाइबर और ओमेगा-3 फैटी एसिड की भरपूर मात्रा होती है जिसकी नियमित रूप से शरीर को जरूरत होती है। आहार विशेषज्ञ निवेदिता सचदेवा ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि नियमित रूप से इन बीज का सेवन करके वजन को नियंत्रित रखने, कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप को बढ़ने से रोकने में मदद मिल सकती है। ओमेगा-3 फैटी एसिड के कारण इसे हृदय की सेहत के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। पर क्या गर्मियों में भी इसका सेवन किया जा सकता है?

अलसी के बीज से होने वाले फायदे

अध्ययनों से पता चलता है कि अलसी के बीज में भरपूर फाइबर होता है जो इसे पेट के लिए काफी लाभप्रद बनाता है। इसके अलावा उच्च रक्तचाप वाले 112 लोगों पर 12-सप्ताह के अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों ने प्रतिदिन 4 बड़े चम्मच (30 ग्राम) अलसी के बीज का सेवन किया उनके बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप में महत्वपूर्ण कमी आई।

क्या कहते हैं आहार विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ बताती हैं, अलसी के बीज की तासीर गर्म होती है ऐसे में इसके कारण आपको कई प्रकार की असहजता की समस्या हो सकती है। हालांकि ऐसा नहीं है कि गर्मियों में अलसी के बीज बिल्कुल नहीं खाने चाहिए, आप इसका सेवन संयमित मात्रा में कर सकते हैं। रोजाना एक चम्मच की मात्रा में कम से कम छह-आठ घंटे भीगे हुए अलसी के बीज का सेवन सुरक्षित माना जा सकता है। हालांकि अधिक मात्रा में इसके कारण पेट में सूजन, अपच सहित अन्य प्रकार की पाचन समस्याएं हो सकती हैं।

इसकी मात्रा की रखें ध्यान

विशेषज्ञ कहते हैं, गर्मियों में भी सीड्स को आहार का हिस्सा बनाया जा सकता है क्योंकि इनमें मौजूद पोषक तत्वों की हमें नियमित रूप से जरूरत होती है। बस इसकी मात्रा की ध्यान रखें। शुगर और ब्लड प्रेशर की समस्या के शिकार लोगों के लिए इन बीजों से काफी फायदे हो सकते हैं। हृदय रोग के प्रमुख कारक कोलेस्ट्रॉल-रक्तचाप को कंट्रोल रखने में इससे लाभ पाया जा सकता है।

डायबिटीज रोगियों के लिए बहुत लाभप्रद

अलसी के बीज रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करने में मदद कर सकते हैं। अध्ययनों की समीक्षा के अनुसार, अलसी रक्त शर्करा को कम करने और इंसुलिन प्रतिरोध को रोकने में मददगार हो सकती है। जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है उन्हें आहार में अलसी के बीज को शामिल करने से लाभ मिल सकता है। डायबिटीज के कारण होने वाले हृदय रोगों के जोखिमों को कम करने में भी इससे लाभ पाया जा सकता है।

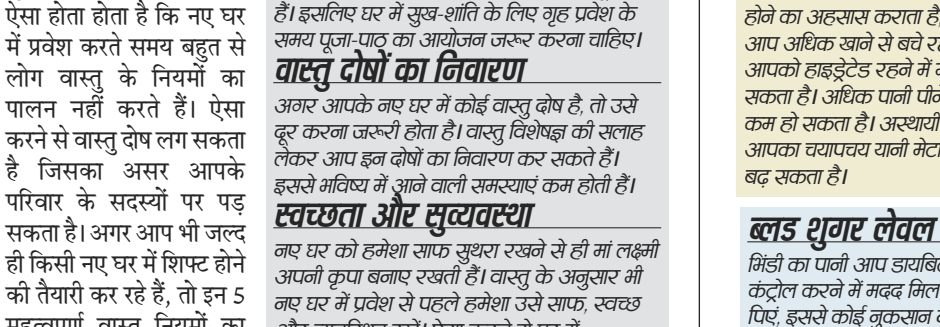

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

इन सितारों ने की परदे के लंगूरों की कमाल एक्टिंग

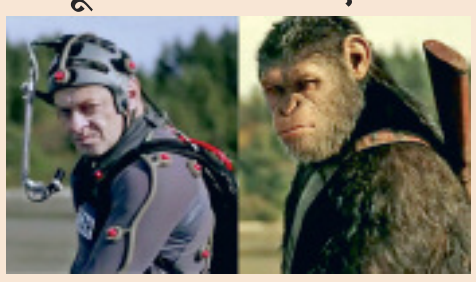

लॉस एंजिलिस। फिल्म 'द किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स' पूरी दुनिया मे रिलीज हो चुकी है। कहानी का आधार वही 'प्लैनट ऑफ द एप्स' है जिसे पहली बार परदे पर 1968 में उतारा गया था। हालांकि तब कहानी एक ऐसे ग्रह पर पहुंचे इंसानों की थी, जहां वानर राज कायम है। फिर इस कहानी में तब्दीलियां हुई। इसे धरती पर ही इंसानों के बनाए विषाणु से जोड़ा गया। पिछली तीन फिल्में इस सीरीज की सुपरहिट रहीं। 'राइज', 'डान' और 'वॉर' के आखिर में सीजर की मौत के बाद अब इस फ्रेंचाइजी ने नई करवट ली है। तीन नई फिल्मों में एक नई कहानी दिखाने की शुरुआत फिल्म 'किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स' से हो चुकी है, ये इस रीबूट वर्जन ट्रायलॉजी की पहली फिल्म है। फिल्म 'किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स' की कहानी दिलचस्प है। जब ये मान लिया गया है कि धरती से इंसानों का विनाश हो चुका है और यहां हर तरफ फैल चुके लंगूरों ने आपस में ही भिड़ना शुरू कर दिया है तो एक नया अध्याय शुरू होता है। लंगूरों के ईगल कुनबे का शहजादा नोआ इस इतिहास की नई कहानी लिखता है और इस संघर्ष में उसका साथ देते हैं उसके दो दोस्त, उसकी मां, एक बुजुर्ग दोस्त और एक इंसानी युवती। लेकिन, इन किरदारों को निभाने वाले कलाकारों के बारे में विस्तार से जानने से पहले आपको ये बताना जरूरी है कि ये फिल्में बनती कैसे हैं। ये तकनीक मोशन कैप्चर फिल्म मेकिंग कहलाती है और इस तकनीक पर ही 'अवतार', 'किंग कॉन्ग' और 'बैटल एंजिल' जैसी फिल्में बनी हैं। मार्वल की एवेंजर्स सीरीज का विलेन थानोस भी ऐसे ही रचा गया था। एंडी सरकिस ने ही 2005 में रिलीज फिल्म 'किंग कॉन्ग' में शीर्षक किरदार की एक्टिंग की थी।

टॉलीवुड

प्रभास की एक क्रिप्टिक पोस्ट के बाद शुरू हुई शादी की चर्चा

सुपरस्टार प्रभास ने कुछ देर पहले ही इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट ने लोगों के बीच कंफ्यूजन बढ़ा दी है। इस पोस्ट ने प्रभास की शादी की चर्चा को हवा दी है। प्रभास ने इस पोस्ट में बताया है कि उनकी जिंदगी में किसी खास शख्स की एंट्री हो चुकी है। उस खास शख्स को डार्लिंग्स बता रहे हैं। उनकी इंस्टा स्टोरी को उनके फैन पेज ने जैसे ही प्रभास की पोस्ट को शेयर किया, फैंस ने उनकी गर्लफ्रेंड और शादी के कयास लगाने शुरू कर दिया. उनकी ये पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। प्रभास ने अपनी इंस्टा स्टोरी में लिखा, 'डार्लिंग्स आखिरकार, कोई बहुत खास हमारे लाइफ में एंट्री करने वाला है इंतज़ार करें चेयंडी।' फैंस एक्स पर यह समझने की कोशिश करने लगे कि प्रभास की इस पोस्ट का मलतब क्या है? प्रभास के फैंस ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि वह जल्द ही अपनी शादी का ऐलान कर कते हैं। हालांकि, कुछ लोगों ने कयास लगाया कि प्रभास का यह पोस्ट उनकी अपकमिंग फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' से जुड़ी है। प्रभास के फैन ने इस पोस्ट को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा,"प्रभास आम तौर पर अपने पर्सनल इंटरेस्ट और चीदों को सोशल मीडिया पर शेयर नहीं करते हैं, खासकर हाल के दिनों में. तो यह संभवतः हैशटैग 'कल्कि 2898 एडी' प्रमोशन या किसी अन्य फिल्म के लिए है!' पोस्ट में आगे लिखा गया, "हर कोई उनकी शादी की अनाउंसमेंट के बारे में खुशखबरी सुनना पसंद करेगा, लेकिन वह इससे जुड़ा अपडेट आगे देंगे." शादी को लेकर पिछले साल एक चैट शो में प्रभास ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि जब सलमान खान शादी कर लेंगे, उसके बाद शादी करेंगे. प्रभास को आखिरी बार फिल्म 'सालार' में देखा गया था। फिल्म ब्लॉकबस्टर हुई थी।

भोजपुरी

'सास नंबरी बहू दस नंबरी' का ट्रेलर रिलीज

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में काजल राघवानी की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। उनकी अपकमिंग मूवी 'सास नंबरी बहू दस नंबरी' का दमदार ट्रेलर रिलीज हो गया है और रिलीज होते ही ये यूट्यूब पर छा गया है। इस फिल्म में आपको खूब सारे ड्रामे के साथ-साथ बहुत सारा इमोशंस भी देखने को मिलेगा, जो आपकी आंखों में आंसू ला देगा। 'सास नंबरी बहू दस नंबरी' भोजपुरी फिल्म में काजल राघवानी, रितेश उपाध्याय, किरण यादव, मनोज टाइगर, रिंकू भारती, स्वीटी सिंह राजपूत, राम नरेश श्रीवास्तव, जय प्रकाश सिंह, संगीता राय, प्रेम दुबे, पुष्पेंद्र राय, कुणाल कुमार, रागिनी यादव, संजू सोलंकी, रमजान खान ,अशोक गुप्ता, बबिता राय व अन्य सितारे हैं। 2 मिनट 50 सेकेंड के इस वीडियो को यूट्यूब पर अब तक 227,107 व्यूज मिल चुके हैं। इसमें दिखाया गया है कि सास अपनी बहू को बिल्कुल भी पसंद नहीं करती है, लेकिन अगर सास नंबरी है तो बहू दस नंबरी है। वो ऐसी चाल चलती है कि सासू मां के चारो खाने चित्त हो जाते हैं। पति उन्हें ही घर से निकाल बाहर करता है। इस मजेदार वीडियो को देखने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

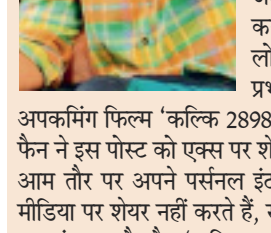

सोने के कांटों से सजा गाउन पहन कान्स पहुंची हसीना

कान्स फिल्म फेस्टिवल में फ्रांस की एक हसीना ने अपने लुक से सबको हैरान कर दिया है। दरअसल, फ्रांस की आइरिस मित्तेनेरे सोने के कांटों से सजी आउटफिट पहनकर रेड कार्पेट पर पहुंचीं और अपनी अदाओं का ऐसा जादू चलाया कि हर कोई बस उन्हें देखता ही रह गया। उनका यह आउटफिट इतना यूनिक था कि वह आसानी से सबका ध्यान अपनी ओर खींचने में सफल हो गईं।

लाइफ स्टाइल

चेहरे के लिए बेस्ट हैं ये आयुर्वेदिक ब्यूटी टिप्स

हम केमिकल वाले क्रीम पाउडर से लेकर लोशन और स्क्रब तक कई चीजों का इस्तेमाल करते हैं। साथ ही जब भी सेहत की बात आती है तो हम कोशिश करते हैं कि आयुर्वेद को अपनाया जाए, तो फिर स्किन की देखभाल के लिए आयुर्वेदिक टिप्स क्यों नहीं? 'स्कूल ऑफ आयुर्वेदा एंड पंचकर्मा' के अनुसार आज हम आपको आयुर्वेद से जुड़ी ऐसी ही कुछ टिप्स के बारे में बताने वाले हैं, जो आपकी स्किन को ग्लो देने के साथ-साथ हेल्दी भी रखेंगी। इन टिप्स का सबसे अच्छा फायदा ये है कि इनसे किसी भी तरह के साइड इफेक्ट होने की संभावना नहीं होती है।

आयुर्वेद के अनुसार ऐसा हो स्किन केयर रूटीन?

अगर आप अपनी स्किन को हेल्दी रखना चाहते हैं, जिसके लिए इन कुछ टिप्स को अपना सकते हैं। इन टिप्स को जानने से पहले आपको ये पता होना भी जरूरी है कि आपका स्किन टाइप कौन सा है। साथ ही रोज सुबह उठकर चेहरे को पानी से धोएं, इससे स्किन का एक्सफोलिएशन बढ़ेगा, त्वचा रिपेयर होने के साथ-साथ मॉइश्चराइज भी होगी।

स्किन को रूखा न रखें

हम कई तरह के फेस वॉश और पैक का इस्तेमाल करते हैं जो कुछ हद तक हमारी स्किन से नमी को सोख लेते हैं, जिसकी वजह से त्वचा रूखी और खुरदरी नजर आने लगती है। इसलिए आयुर्वेद कहता है कि मॉइश्चराइजर की जगह मसाज करने और गर्म तेल से मसाज कर के अभ्यंग करने का अभ्यास करें। इसे सर्कुलेशन मोशन करें। ये स्किन को डिटॉक्सीफिकेशन कर टिशू से गंदगी को साफ करने का काम करते हैं।

रोजाना व्यायाम करें

'स्कूल ऑफ आयुर्वेदा एंड पंचकर्मा' के लेख के अनुसार आयुर्वेद कहता है कि हमारा शरीर खुद को ठीक रखने के लिए व्यायाम चाहता है, जो हमारे ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने का काम करता है। इससे स्किन में निखार आता है और मसल स्ट्रैच होती हैं, जिसकी वजह से त्वचा जवान और निखरी हुई नजर आती है।

पूरी नींद से निखरे की त्वचा

हमारे शरीर की जब भी कोई परेशानी होती है उसका एक कारण नींद का पूरा न होना होता है। अगर आप अपनी स्किन को हेल्दी रखने के लिए कई स्किन और ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं लेकिन नींद पूरी नहीं ले रहे हैं तो उपयोग की गई सभी चीजों का कोई प्रभाव नहीं रहेगा। आयुर्वेद के अनुसार स्वास्थ्य के लिए पूरी नींद लेना बहुत जरूरी होता है। अगर आपकी पर्याप्त मात्रा में नहीं सोते हैं तो आंखों में सूजन और स्किन एजिंग की समस्या हो सकती है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

आयुर्वेद के अनुसार तनाव लेने से स्किन और दिमाग, दोनों ही प्रभावित होते हैं। इसलिए स्ट्रेस को कम करने के लिए मेडिटेशन करें, ये तनाव भी कम होगा और इम्यूनिटी को बेहतर करने का भी काम करता है। आयुर्वेद इस बात पर जोर देता है कि आप हेल्दी और बैलेंस डाइट का रूल फॉलो करें। ये आपके शरीर को अंदर और बाहर दोनों से साफ रखता है और त्वाचा में खिला-खिला निखार देता है।

चेहरा भर गया पिंपल्स से और फेस से ग्लो भी है गायब?

आए दिन मेकअप का ट्रेड बढ़ाता जा रहा है। परफेक्ट दिखने के लिए महिलाएं दिनभर मेकअप लगाकर रहती हैं और देर रात इन कैमिकल प्रोडक्ट को स्किन से उतारती हैं।इन प्रोडक्ट के रेग्युलर इस्तेमाल से स्किन को काफी नुकसान पहुंचता है। ऐसे में अगर आप कुछ घंटों या दिन के लिए अपने मेकअप प्रोडक्ट का इस्तेमाल बंद कर दें और स्किन को हर तरह के प्रोडक्ट से दूर रखें तो आपकी स्किन पर काफी पॉजिटिव असर दिखेगा और स्किन रिलैक्स रहेगी। इसी कॉन्सेप्ट के साथ इन दिनों स्किन फास्टिंग टेकनीक काफी ट्रेंड में है। दरअसल, स्किन फास्टिंग एक प्रक्रिया है जिसमें स्किन को मेकअप और स्किन केयर प्रोडक्ट से ब्रेक दिया जाता है और उसे रीसेट और रीबैलेंस होने के लिए उसे बॉडी के नेचुरल हीलिंग प्रोसेस में जाने की अनुमति दी जाती है।

यह है स्किन फास्टिंग

आमतौर पर हम रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद स्किन केयर रुटीन को फॉलो करते हैं। इसके लिए रात में क्लीनजर, टोनर, सीरम और मॉश्चराइज आदि प्रोडक्ट का प्रयोग करते हैं, जिससे स्किन हेल्दी और प्रॉब्लम फ्री रहे। इसके अलावा, सुबह भी कई तरह के प्रोडक्ट हम स्किन पर अप्लाई करते हैं। लेकिन स्किन फास्टिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें स्किन को इन सब चीजों से कुछ दिन या महीने के लिए ब्रेक दिया जाता है। इसके तहत चेहरे को केवल मइल्ड क्लीनर और बेसिक मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल किया जाता है और अन्य सभी प्रोडक्ट से स्किन को दूर रखा जाता है।

यह मिलता है फायदा

इस तरह स्किन नेचुरल प्रोसेस में खुद का हील कर पाती है, स्किन का पीएच लेवल रेगुलेट हो पाता है और यह बाहरी दिक्कतों को दूर करने में सक्षम हो पाता है। इस तरह स्किन की सेंसिटिविटी कम होती है, ओवरलोड प्रोडक्ट से स्किन बचता है और स्किन को नेचुरली हील होने का मौका मिलता है।

झाइयां दूर करने का मिल गया जुगाड़

क्लीन और स्पॉटलेस स्किन खूबसूरती के लिए जरूरी माना जाता है। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है स्किन पर झाइयों के निशान आने लगते हैं और इनकी वजह से चेहरा दाग धब्बेदार दिखने लगता है। एक बार अगर झाइयां चेहरे पर आ जाएं तो इन्हें हटाना नामुमकिन सा लगता है। लेकिन अगर आप इसे रोकना चाहते हैं और स्किन को स्पॉटलेस बनाना चाहते हैं तो किचन में रखे आलू की मदद लें। अगर आप स्किन के दाग धब्बों को हटाने के लिए आलू का इस्तेमाल सही तरीके से करें तो चेहरे पर मौजूद इन जिद्दी दाग को बड़ी आसानी से हटाया जा सकता है।

पहला तरीका

एक आलू को मिक्सी में पीस लें और छन्नी की मदद से इसके रस को निकाल लें। अब इस रस को कुछ देर फ्रिज में रख दें। जब ये अच्छी तरह ठंडा हो जाए तो इसमें एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं और कॉटन की मदद से स्किन पर इसे लगाएं। 10 से 15 मिनट के बाद इसे धो लें। सप्ताह में 3 दिन इसका इस्तेमाल करें।

दूसरा तरीका

एक आलू को मिक्सी में पीस लें और एक कटोरी में रखें। अब इसमें एक चम्मच दही मिला लें। अच्छी तरह मिल जाए तो आप इसे अपने साफ धुले चेहरे पर अच्छी तरह से अप्लाई करें। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड दाग को हटाएगा और चेहरा क्लीन दिखेगा। इसे भी 10 मिनट बाद धो लें।

तीसरा तरीका

आप एक आलू को आधा काट लें और उस पर हल्दी छिड़क लें। अब आप इसे अपने साफ चेहरे पर उस जगह रगड़ें जहां पर झाइयां हो गई हैं। हल्दी में कई ऐसे एंटीऑक्सीडेंट तत्व हैं जो दाग को हटाकर चेहरे पर निखार लाती हैं। इस तरह आपके चेहरे से झाइयों के दाग तो जाएंगे ही, स्किन पर एक नेचुरल निखार भी आएगा। हालांकि जब भी इन फेस पैक का इस्तेमाल करें तो पहले स्किन पर पैच टेस्ट जरूर कर लें। अगर किसी तरह की परेशानी हो तो तुरंत इस्तेमाल बंद कर दें।

पतले टांगों वाले लड़कों के लिए बेस्ट हैं ये 3 जींस पैंट्स

फैशन

हर मौसम में जींस लड़कों के वार्डरोब को कंप्लीट बनाने का काम करता है। कहीं भी जाना हो, बस एक जींस निकाला और पहनकर तैयार। हालांकि कई लड़कों को अपने लिए जींस चूज करने में परेशानी होती है। दरअसल, इन दिनों बाजार में इतने तरह के जींस हैं कि खरीदने जाओ तो समझ ही नहीं आता कि आखिर कौन सा जींस किस तरह के लोगों पर अच्छा लगेगा। मसलन, स्लिम फिट लूं या लूज बैगी डिजाइन लूं या कुछ और। अगर आप पतले-दुबले हैं और अपने पतले पैरों को परफेक्ट दिखाना चाहते हैं किस तरह का पैंट आपकी पर्सनैलिटी को निखारने का काम करेगा।

कार्गो

पतले पैरों के लिए कार्गो पैंट परफेक्ट होता है। इसके फैब्रिक्स और पॉकेट्स स्किनी लेग्स को हाइड करती हैं। इनकी कटिंग बॉडी शेप को वाइड बनाता है और ये दिखने में काफी स्टाइलिश और रफ टफ लुक भी क्रिएट करता है। आप इसे टीशर्ट या कैजुअल शर्ट के साथ पहन सकते हैं। कार्गो पैंट्स हल्के और गहरे दोनों रंगों के बड़े आसानी से मिल जाते हैं। गर्मी के दिनों में अगर आप लाइट ब्राउन कार्गो पैंट लें तो ये काफी अच्छा लगेगा। आप ग्रे या आर्मी कलर कार्गो भी ले सकते हैं। ऐसे जींस आपको क्लासी लुक प्रोवाइड करता है।

बैगी जींस

कूल और कंफर्टेबल लुक के लिए आप बाजार से बैगी जींस खरीद सकते हैं। ये जीस कैजुअल ओकेजन के लिए परफेक्ट होते हैं। आप अगर अपने लिए बैगी जींस ले रहे हैं तो इस बात का जरूर ध्यान रखें कि इसका साइज आपके कमर से परफेक्ट हो। आप एक साइज बड़ा साइज ले सकते हैं और ऑल्टर या बेल्ट के साथ पहन सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि पैंट अधिक बैगी ना हो।

जॉगर्स

जॉगर्स भी इन दिनों काफी फैशन में है। स्किनी और स्लिम फिट वाले लड़कों पर तो ये काफी अच्छी दिखती है। खासतौर पर अगर आप कॉलेज जाते हैं तो ये पैंट आप अपने वार्डरोब में जरूर रखें। इसे आप कैजुअल ओकेजन में बड़े आराम से कैरी कर सकते हैं। ऐसे जीस राउंड नेक टीशर्ट और स्नीकर्स के साथ अच्छे दिखते हैं।

कार्नर न्यूज

यह होती है हेयर डस्टिंग

बालों को मोटा और घना बनाने का यह तरीका आ सकता है आपके काम

सोशल मीडिया पर आए दिन अलग-अलग ट्रेंड्स और हैक्स वगैरह देखने को मिल जाते हैं। कुछ तो ऐसी चीजें भी दिखाई दे जाती हैं जिनके बारे में शायद ही कभी सोचा या सुना हो। ऐसी ही एक तकनीक है हेयर डस्टिंग। बालों को लंबा और घना बनाने के लिए हेयर डस्टिंग की जा सकती है और कहा जा रहा है कि इससे ना सिर्फ दोमुंहे बालों की दिक्कत दूर होगी, बल्कि बाल पहले से ज्यादा मुलायम, हेल्दी और खूबसूरत नजर आने लगेंगे। लेकिन, यह हेयर डस्टिंग होती क्या है? जब हम किसी सामान की ऊपरी तौर पर सफाई करते हैं तो उसे डस्टिंग कहा जाता है। बिल्कुल इसी तरह हेयर डस्टिंग का मतलब है बालों को ऊपर-ऊपर से काटना, यानी ऊपरी सतह से कटिंग करना. हेयर डस्टिंग में सिर्फ दोमुंहे बाल हटाए जाते हैं। इससे बालों की लंबाई जस की तस बनी रहती है और खुरदुरे स्प्लिट एंड्स हट जाने से बाल मुलायम बनते हैं। हर बाल के नीचे नजर आने वाले स्पिल्ट एंड्स को हटाया जाता है जिससे डैमेज्ड बाल भी हट जाते हैं। कहा जा सकता है कि हेयर डस्टिंग से बालों पर वही असर होता है जो ऊनी कपड़ों से रोएं हटाने पर नजर आता है।

हेयर डस्टिंग तकनीक फायदेमंद क्यों है

जो लोग बाल बढ़ाना चाहते हैं या फिर बालों की लंबाई को जस का तस रखना चाहते हैं, उनके लिए हेयर डस्टिंग तकनीक बेहद फायदेमंद साबित होती है। इस तकनीक से डैमेज्ड बाल कम होते हैं और बार-बार सैलून के चक्कर लगाने की झंझट से भी छुटकारा मिल जाता है।

ये लोग कर सकते हैं हेयर डस्टिंग

किसी भी हेयर टाइप के लोग हेयर डस्टिंग कर सकते हैं। बालों को अच्छी तरह झाड़ने पर स्पिलट एंड्स नजर आने लगते हैं जिससे हेयर डस्टिंग करना आसान हो जाता है।

घर पर ऐसे करें हेयर डस्टिंग

हेयर डस्टिंग करने से बाल हेल्दी बनते हैं और उनमें चमक नजर आने लगती है। फ्रिजी बालों से छुटकारा पाने के लिए भी हेयर डस्टिंग की जा सकती है। खुद से हेयर डस्टिंग करने के लिए सबसे पहले जरूरी है कि आप अच्छी क्वालिटी की कैंची खरीदें। इसके अलावा आपको कंघी, क्लिप, बाल बांधने के लिए रबड़, तौलिया और शीशे की जरूरत होगी। बालों को धोकर ब्लो ड्राई करें और बीच में से मांग निकाल लें। अब बालों को सेक्शंस में बांटे, क्लिप लगाएं और उंगलियों के बीच में लेकर नजर आ रहे स्पिलट एंड्स को काटकर हटा दें। पूरे सिर के बालों के साथ इस प्रक्रिया को दोहराने पर हेयर डस्टिंग हो जाएगी।

काली मिर्च में होते हैं बालों को बढ़ाने वाले तत्व

काली मिर्च में विटामिन ए, सी होते हैं। साथ ही कोरोनॉएड, फ्लेवेनाएड्स, फोलिक एसिड, पोटैशियम जैसे कई सारे तत्व होते हैं। जो ना केवल स्कैल्प पर दोबारा से बाल उगाने में मदद करते हैं बल्कि डैंड्रफ को भी दूर करते हैं। काली मिर्च को बालों पर लगाने का बहुत ही सरल तरीका है काली मिर्च का टोनर। जो बालों की स्कैल्प को मजबूत बनाने और हेयर ग्रोथ में मदद करता है। जानें कैसे बनाएं काली मिर्च का टोनर

काली मिर्च का टोनर कैसे बनाएं

काली मिर्च का टोनर बनाने के लिए बस दो चीजों की जरूरत होगी। किसी पैन या बर्तन में एक लीटर पानी डालें। इसे गैस पर रखें और 25 ग्राम के करीब काली मिर्च लेकर इसे कूटकर दरदरा पीस लें या पाउडर बना लें। अब इस पाउडर को पानी में डालकर पकाएं। इसे तब तक पकाएं जब तक कि ये एक चौथाई ना रह जाए। बस इस एक चौथाई काली मिर्च के पानी को छानकर किसी स्प्रे बोतल में भर लें।

कैसे लगाएं काली मिर्च का टोनर

बालों पर काली मिर्च का टोनर लगाने के लिए रात को सोने से पहले बालों की जड़ों पर लगाएं। फिर सुबह पानी से वॉश कर लें। सप्ताह में कम से कम तीन से चार बार इस टोनर को लगाने से कुछ ही हफ्तों के बाद बालों की ग्रोथ में फर्क दिखेगा और नए बाल उगने लगेंगे।